राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार,27 जुलाई2020 वर्ष-3, अंक -181 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी बोले-करगिल में भारत की दोस्ती के जवाब में पाक ने पीठ में छुरा घोंपने की कोशिश की

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को करगिल के शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि यह युद्ध भारत की मित्रता के जवाब में पाकिस्तान द्वारा पीठ में छुरा घोंपने की कोशिश का परिणाम था। आकाशवाणी पर कार्यक्रम ''मन की बात की 67वीं कड़ी में लोगों के साथ अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने बड़े-बड़े मंसूबे पालकर भारत की भूमि हथियाने और अपने यहां चल रहे आंतरिक कलह से ध्यान भटकाने को लेकर ये दुस्साहस किया था। उन्होंने कहा कि आज 26 जुलाई है और आज का दिन बहुत खास है। आज करगिल विजय दिवस है। 21 साल पहले आज ही के दिन करगिल के युद्ध में हमारी सेना ने भारत की जीत का झंडा फहराया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि करगिल का युद्ध किन परिस्थितियों में हुआ था वह भारत कभी नहीं भूल सकता। प्रधानमत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने बड़े-बड़े मंसूबे पालकर भारत की भूमि हथियाने और अपने यहां चल रहे आंतरिक कलह से ध्यान भटकाने को लेकर दुस्साहस किया था जबकि भारत, पाकिस्तान से अच्छे संबंधों के लिए प्रयासरत था। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे स्वभाव के लोग जो हित करता है, उसका भी नुकसान ही सोचते हैं। इसीलिए भारत की मित्रता के जवाब में पाकिस्तान द्वारा पीठ में छुरा घोंपने की कोशिश हुई थी। 21 साल पहले आज के ही दिन कारगिल के युद्ध में हमारी सेना ने भारत की जीत का झंडा फहराया था, पाकिस्तान ने बड़े-बड़े मनसूबे पालकर भारत की भूमि हथियाने और अपने यहां चल रहे आन्तरिक कलह से ध्यान भटकाने को लेकर दुस्साहस किया था। कहा जाता है

बयरू अकारण सब काहू सों 7 जो कर हित अनहित ताहू सों 77 यानी दुष्ट का स्वभाव होता है हर किसी से बिना वजह दुश्मनी करना, ऐसे स्वभाव के लोगों का जो हित करता है उसका भी नुकसान ही सोचते हैं। पाकिस्तान द्वारा पीठ में छुरा घोंपने की कोशिश हुई थी, लेकिन, उसके बाद भारत की वीर सेना ने जो पराक्रम दिखाया, भारत ने अपनी जो ताकत दिखाई, उसे पूरी दुनिया ने देखा। मैं सभी देशवासियों की तरफ से हमारे वीर जवानों के साथ-साथ उन वीर माताओं को भी नमन करता हूं जिन्होंने मां-भारती के सच्चे सपूतों को जन्म दिया। युद्ध की परिस्थिति में हम जो बात कहते या करते हैं उसका सीमा पर डटे सैनिक और उसके परिवार के मनोबल पर बहुत गहरा असर पड़ता है इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम जो कर या कह रहे हैं उससे सैनिकों का मनोबल बढ़े। कभी-कभी हम इस बात को समझे बिना सोशल मीडिया पर ऐसी चीजों को बढ़ावा दे देते हैं जो हमारे देश का बहुत नुक्सान करती हैं,

कभी-कभी जिज्ञासावश दूसरों को भी भेज देते हैं। कल युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते हैं, देश में भी कई मोर्चों पर एक साथ लड़े जाते हैं, देश की सीमा पर, दुर्गम परिस्तिथियों में लड़ रहे सैनिकों को याद करते हुए हमें भी अपनी भूमिका तय करनी होगी।

1500 करोड़ के जमीन घोटाले में रिटायर्ड कर्नल समेत 5 को जेल

भोपाल।

प्रदेश की राजधानी भोपाल में भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है। जहां फर्जी दस्तावेज के आधार पर 1500 करोड़ रुपए की जमीन पर कॉलोनी बनाने और 1700 लोगों को इसके प्लॉट बेचने का बड़ा घोटाला सामने आया है। बताया जा रहा है कि फर्जी दस्तावेज पर जमीनी घोटाले का यह संभवत अब तक का सबसे बड़ा मामला है। रविवार को आर्थिक अपराध शाखा की लंबी जांच के बाद जमीन घोटाले के आरोपी रिटायर्ड कर्नल समेत 5 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दरअसल मामला तिलक हाउस सोसाइटी भोपाल का है। फर्जीवाड़े का पता लगते ही भोपाल ईओडब्लू ने तीन साल तक मामले की जांच की। ईओडब्लू की जांच के अनुसार, आरोपियों ने एयरपोर्ट रोड के पास की 1500 करोड़ रुपए लागत की 94 एकड़ जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाए। फर्जी पावर ऑफ़ अटार्नी के जरिए उन्होंने पहले जमीन पर कब्जा किया। इसके बाद उस जमीन पर कॉलोनी बनाकर 1700 से ज्यादा लोगों को प्लॉट बेच दिया। जहां मामले के खुलासे के बाद आर्थिक अपराध शाखा ने तिलक सोसायटी के अध्यक्ष रिटायर्ड कर्नल भूपेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष शफीक मुहम्मद सहित पांच गिरफ्तार किया था। इसके बाद जमीन घोटाले के आरोपी भूपेंद्र सिंह ने बीमारियों का हवाला देते हुए कोर्ट से 45 दिन की जमानत मांगी थी। 45 दिनों के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश होना था, लेकिन वे अदालत में पेश ही नहीं हुए। इसके साथ ही कर्नल भूपेंद्र सिंह पर आरोप है कि उन्होंने अदालत को गुमराह कर जमानत ली थी। जिसके बाद फरियादी ने मामले की शिकायत हाइकोर्ट में की। मामले पर संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तार करने के

आदेश दे दिए हैं। हाईकोर्ट के आदेश के आधार पर जिला कोर्ट ने भूपेंद्र सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। जिसके बाद गिरफ्तारी की भनक लगने पर आरोपी भूपेंद्र सिंह ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी को भोपाल जेल न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

हिंसक व्यवहार और हाई प्रोफाइल लाइफ स्टाइल से परेशान था पिता, दो लाख में सुपारी देकर करा दी हत्या

हापुड़ । उत्तर प्रदेश के हापुड़ से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां अपने बेटे के हिंसक व्यवहार और हाई प्रोफाइल लाइफ स्टाइल से परेशान होकर पिता ने उसका कत्ल करवा दिया। आरोप है कि पिता ने दो लाख की सुपारी देकर अपने बेटे की हत्या करा दी। पुलिस ने मर्डर के सिलसिले में दो कॉन्ट्रैक्ट किलर को गिरफ्तार किया है। हापुड़ के सिंभौली इलाके में बुधवार की सुबह ऋषभ तोमर अपने कार में मृत पाया गया। उसके गले पर रेतने के निशान मिले। इस मामले को सुलझाने में पुलिस को महज दो दिन लगे। मृत लड़के के पिता कमल चंद तोमर और भाड़े पर लिए गए दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस की तफ्तीश में पता चला है कि कमल ने दोनों बदमाशों को इस काम के लिए दो लाख रुपये चुकाए थे। एक ऑटोमोबाइल रिपेयर शॉप के मालिक कमल ने पुलिस स्टेशन में मीडिया को बताया, मेरे बेटे ने अपना होश खो दिया था। वह गालियां देता था और यहां तक कि पैसे के लिए वह मुझे और अपनी मां को पीटता भी था। एक बार उसने अपनी मां का हाथ ही तोड़ डाला था। मैं उसे एक डॉक्टर के पास भी लेकर गया था और उसका ट्रीटमेंट चल रहा था, लेकिन अब वह हर दूसरे दिन पैसे की मांग करता था। हमारी जिंदगी जहन्नुम हो गई थी। मेरे पास इसके अलावा और कोई रास्ता नहीं था। हापुड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजीव सुमन ने कहा, कमल चंद ने ऋषभ की हत्या करवाने के लिए अपने पड़ोसी कमल पाल को दो लाख रुपये दिए थे।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना से जंगः देश में 'दिल्ली मॉडल' अपनाने की तैयारी, कल होगी अहम बैठक

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच सोमवार को केंद्र सरकार राज्यों के साथ एक बैठक करने जा रही है, जिसमें से बचाव के लिए दिल्ली मॉडल को अपनाने के लिए कहा जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आपको बता दें कि बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला करेंगे। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने नाम नहीं छपने की शर्त पर कहा कि इस उच्चस्तरीय बैठक में दिल्ली में कोरोना के खिलाफ उठाए गए कदमों को अपनाने के लिए अन्य राज्यों के लिए भी प्लानिंग की जाएगी। इसके साथ ही आने वाले दिनों में दिल्ली में कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए रणनीति पर भी चर्चा होगी। बैठक के एजेंडा के मुताबिक, दिल्ली के मुख्य सचिव विजय देव केंद्र के वरीय अधिकारियों के समक्ष दिल्ली में कोरोना के बढ़ते संक्रमण पर लगाम लगाने के लिए किए गए प्रयासों पर चर्चा करेंगे। इस बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण और नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल भी शामिल रहेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि दिल्ली मॉडल परीक्षण, होम आइसोलेशन, पारदर्शी डेटा, अस्पतालों में बेड और प्लाज्मा थेरेपी पर आधारित था। लेकिन इन पांच चीजों को प्राप्त करने के लिए, हमने तीन सिद्धांतों का पालन किया। पहला टीम वर्क, दूसरा रचनात्मक आलोचना को स्वीकार करना और जो गलत है, उसे ठीक करना और तीसरा, चाहे कितनी भी बुरी स्थिति क्यों न हो, एक सरकार के रूप में हथियार नहीं डालना। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोने के बढ़ते संक्रमण पर लगाम लगाने के लिए उठाए गए कदमों के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार की तारीफ की थी।

अपने खर्चे में कटौती कर राष्ट्रपति कोविंद ने आर्मी अस्पताल को दिया 20 लाख रुपए का दान

नई दिल्ली । राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को करगिल विजय दिवस के अवसर पर आर्मी आरएंडआर अस्पताल को उपकरण खरीदने के लिए 20 लाख रुपये दान किए। इस पैसे का उपयोग कोविड-19 योद्धाओं के लिए एयर फिल्टरिंग उपकरण खरीदने के लिए किया जाएगा। सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में राष्ट्रपति ने अस्पताल के फ्रंटलाइन कोविड योद्धाओं के मनोबल को बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया है।करगिल युद्ध में बहादुरी से लड़ने वाले और सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि के रूप में, राष्ट्रपति ने दिल्ली के आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल) को 20 लाख रुपये का चेक उपकरण खरीदने के लिए दिया। रविवार को करगिल युद्ध की जीत की 21वीं वर्षगांठ मनाई गई। 26 जुलाई, 1999 को ऑपरेशन विजय के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान को हराया था। तब से इस दिन को देश के वीर जवानों के अदम्य साहस, वीरता और अमर बलिदान की याद में करगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।राष्ट्रपति भवन से जारी एक बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति भवन में खर्च में किफायत के चलते सेना के आरएंडआर अस्पताल में राष्ट्रपति का यह योगदान संभव हो पाया है। राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में विभिन्न उपायों के जरिए खर्च कम करने के निर्देश जारी किए थे।

मुख्यमंत्री / राज्यपालः

गहलोत मंत्रिमंडल ने राज्यपाल को भेजा नया प्रस्ताव

नेशनल डेस्क।

राजस्थान में मौजूदा राजनीतिक संकट के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल ने विधानसभा सत्र 31 जुलाई से आहूत करने के लिये राज्यपाल को एक संशोधित प्रस्ताव भेजा है। राजभवन के सूत्रों ने प्रस्ताव मिलने की पुष्टि की है। शनिवार देर रात राज्यपाल के पास पहुंचे प्रस्ताव में राज्य मंत्रिमंडल ने विधानसभा का सत्र 31 जुलाई से आहूत करने का आग्रह किया है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने विधानसभा सत्र बुलाने के लिये राजभवन में कांग्रेस विधायकों के शुक्रवार को पांच घंटे के धरने के बाद राज्य सरकार से छह बिन्दुओं पर स्पष्टीकरण मांगा था। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल के आश्वासन के बाद राजभवन में धरना समाप्त कर दिया गया था। मिश्र ने कहा था कि संवैधानिक मर्यादा से ऊपर कोई नहीं होता है।

किसी प्रकार की दबाव की राजनीति नहीं होनी चाहिए। राज्यपाल ने गहलोत को स्पष्टीकरण के साथ विधानसभा सत्र बुलाये जाने के बारे में फिर से मंत्रिमंडल की ओर से प्रस्ताव भेजने को कहा था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक शनिवार शाम को मुख्यमंत्री आवास पर हुई। बैठक में उन बिंदुओं पर चर्चा की गई, जो राज्यपाल ने पहले के प्रस्ताव में उठाए थे। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव को मंजूर किया गया।

दिग्विजय की सिंधिया को खुली चुनौती, आरोप सिद्ध करें, वर्ना जनता से मांगे माफी

भोपाल। ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा पूर्व की कमलनाथ सरकार पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर राजनीति गरमा गई है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने इन आरोपों को सिद्द करने की ज्योतिरादित्य सिंधिया को खुली चुनौती दी है। दरअसल, मध्य प्रदेश में होने वाले उपचुनाव से पहले आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक ज्योतिरादित्य सिंधिया पर किसी न किसी मुद्दे को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। पहले बीजेपी नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कमलनाथ सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। अब इन्ही आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता सिंधिया पर हमलावर हो गए हैं । दिग्विजय ने ट्वीटर के माध्यम से सिंधिया को पिछली सरकार के भ्रष्टाचार उजागर करने की चुनौती दी है। दिग्विजय ने ट्वीट कर लिखा है कि सिंधिया जी पिछली सरकार में भ्रष्टाचार हुआ , उन्हें खुली चुनौती है,नीचे विभागों का एक भ्रष्टाचार बतायें,वर्ना जनता से क्षमा माँगे।दिग्विजय ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, परिवहन, श्रम, स्कूली शिक्षाराजस्व, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति में हुए एक भ्रष्टाचार का ब्यौरा मांगा है। श्रम, स्कूली शिक्षाराजस्व, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति में हुए एक भ्रष्टाचार का ब्यौरा मांगा है। खास बात ये है कि दिग्विजय सिंह ने उन विभागों के भ्रष्टाचार की बात की है जो पिछली कमलनाथ सरकार में सिंधिया समर्थक मंत्रियों के पास थे। बता दे कि कमलनाथ सरकार में गोविंद सिंह के पास परिवहन, प्रभुराम चौधरी के पास शिक्षा, इमरती देवी के पास महिला-बाल विकास, प्रदुम्नन सिंह के पास खाद्य आपूर्ति जैसे विभाग थे।

मास्क पहनकर थक गए लोगों को मोदी का खास मैसेज, कही भावुक बात

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि कोरोना वायरस का खतरा टला नहीं है और अभी भी वह उतना ही घातक है जितना शुरुआत के दिनों में था। उन्होंने लोगों से पूरी सावधानी बरतने की अपील की। 'मन की बात की 67वीं कड़ी में लोगों के साथ अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान भी सकारात्मक रुख अपनाने और आपदा को अवसर में बदलकर स्थानीय स्तर पर किए गए प्रयोगों के लिए देशवासियों की सराहना की। साथ ही उन्होंने मास्क न पहनने वालों को भी नसीहत दी। मोदी ने यह भी कहा कि परेशानी के चलते कुछ लोग जब मास्क की ज्यादा जरूरत होती है तभी हटा देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को उन कोरोना योद्धाओं से सीखना चाहिए जो घंटों मास्क पहनकर लोगों का जीवन बचाने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि देशवासियों को जहां एक तरफ कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई को पूरी सजगता और सतर्कता के साथ लड़ना है तो वहीं दूसरी ओर कठोर मेहनत से अपने कामकाज में गति लानी है और उसको भी नई ऊंचाई पर ले जाना है। पीएम मोदी ने कहा कि कई स्थानों पर वायरस तेजी से फैल रहा है। हमें बहुत ही ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। मोदी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से पूरे देश ने एकजुट होकर जिस तरह कोरोना वायरस से मुकाबला किया है उसने अनेक आशंकाओं को गलत साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि देश में इस महामारी से उबरने

की दर अन्य देशों के मुकाबले बेहतर है। साथ ही कोरोना वायरस के संक्रमण से मृत्यु-दर भी दुनिया के ज्यादातर देशों से काफी कम है। प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस संक्रमण से बचने के लिए लोगों से चेहरे पर मास्क लगाने या गमछे का उपयोग करने, दो गज की दूरी का पालन करने, लगातार हाथ धोने, कहीं पर भी थूकने की आदत से तौबा करने के साथ ही साफ़-सफाई का पूरा ध्यान रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि यही हमारे हथियार हैं जो हमें कोरोना से बचा सकते हैं। हमें एक नागरिक के नाते इसमें जरा भी कोताही नहीं बरतनी है और न किसी को बरतने देनी है।

उद्धव ने दी अपनी सरकार गिराने की चुनौती

मुंबई । राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार के भविष्य को लेकर मचे घमासान के बीच महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार चला रहे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने चुनौती दी है कि जिस किसी को उनकी सरकार गिरानी है, गिराकर दिखाए। ठाकरे ने शिवसेना के मुखपत्र सामना को दिये साक्षात्कार में यह बात कही है । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ पिछली बार सरकार में शामिल शिवसेना ने इस बार कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकां) के साथ सरकार बनाई है।शिवसेना प्रमुख ने सरकार गिराने की चुनौती देते हुए कहा , इंतजार किसका है? अब सरकार गिराओ, सरकार तीन पहियों वाली है, लेकिन वह गरीबों का वाहन है जिसकी स्टीयरिंग मेरे ही हाथ में है। बुलेट ट्रेन या रिक्शा में चुनाव करना पड़ा तो मैं रिक्शा ही चुनूंगा। मध्यप्रदेश में कमलनाथ की कांग्रेस सरकार गिरने के बाद सचिन पायलट के बगावती तेवरों से राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार का भविष्य डांवाडोल हो रहा है। महाविकास अघाड़ी सरकार के मुखिया ठाकरे ने खुली चुनौती दी कि जिस किसी को भी महाराष्ट्र की सरकार गिरानी है, गिराकर दिखाए। उन्होंने कहा, इंतजार किस बात का, कुछ लोग कहते हैं कि अगस्त-सितंबर में गिराएंगे। मैं कहता हूं कि अभी गिराओ। मैं फेविकोल लगाकर चिपककर नहीं बैठा हूं। मीडिया में कांग्रेसी विधायकों के अंसतोष की खबरें बीते दिनों कई बार आईं। कोरोना वायरस को लेकर भी उद्धव ठाकरे सरकार विपक्ष के निशाने पर रही है। राज्य में संक्रमण के देश में सर्वाधिक मामले और मौतें हुई हैं। उन्होंने कहा, मैं गरीबों के साथ ही खड़ा रहूंगा । मैं यह भूमिका बदलने वाला नहीं हूं। कोई यह नहीं सोचे कि अब मैं मुख्यमंत्री बन गया हूं, मतलब बुलेट ट्रेन के पीछे खड़ा रहूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है उसको उबारने का रास्ता खोजिए। महाराष्ट्र में आपरेशन लोटस के सफल होने या नहीं होने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, करके देखलो, मैं भविष्यवाणी कैसे करूंगा? आप करके देखो, जोड़-तोड़ करके देखो। एक महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि ऐसा कोई भी विपक्षी नेता दिखाओ जो दूसरी पार्टी में जाकर सर्वोच्च पद पर पहुंचा है, मुख्यमंत्री बना है। गौरतलब है कि कर्नाटक में एच डी कुमार स्वामी की कांग्रेस गठबंधन वाली सरकार कांग्रेस के कई विधायकों के इस्तीफा देने से गिर गई थी ।

राष्ट्र बहादुर सैनिकों के बलिदान का ऋणी हैः अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कारिगल युद्ध के बहादुर सैनिकों को सलाम करते हुए कहा है कि संपूर्ण राष्ट्र हमारे इन सैनिकों के असाधारण साहस और बलिदानों का ऋणी है। गहलोत ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आज सोशल मीडिया के जरिए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कारगिल दिवस पर, हम अपने सशस्त्र बलों की वीरता को सलाम करते हैं और कारगिल की ऊंचाइयों पर लड़ी गई लड़ाई में उनके बलिदानों को याद करते हैं। संपूर्ण राष्ट्र हमारे बहादुर सैनिकों के असाधारण साहस और असंख्य बलिदानों का ऋणी है। इस मौके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कारगिल के वीर सैनिकों को सलाम किया और कहा कि कारगिल दिवस हमें देश की सीमाओं की सुरक्षा में शहीद हुए जांबाज रत्नों के अदम्य साहस, वीरता एवं बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर भारत की अखंडता को बरकरार रखने का संकल्प लेना चाहिए, यही कारगिल के अमर सपूतों को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने अपने अदम्य साहस और वीरता से कारगिल में तिरंगे की आन-बान-शान बरकरार रखने वाले वीर सैनिकों को कोटि-कोटि नमन किया।पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट आन-बान-शान बरकरार रखने वाले वीर सैनिकों को कोटि-कोटि नमन किया।पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी वीर सैनिकों को सलाम करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 1999 के कारगिल युद्ध में अपने अदम्य साहस, अद्भुत पराक्रम एवं शौर्य से दुश्मनों को पराजित कर देश को गौरवान्वित करने वाले माँ भारती के वीर सपूतों को सादर नमन। उन्होंने कहा कि हमारे देश के वीर जवान हमारा गौरव हैं। हमारे देश के वीर जवान अपना सर्वस्व न्योछावर करते हुए सदैव मातृभूमि की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा मैं भारत माता के इन वीर सपूतों के अदम्य साहस, वीरता एवं कर्तव्य परायणता को सलाम करता हूँ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने कारगिल विजय दिवस की 21वीं सालगिरह पर युद्ध में शहीद हुए मां भारती के वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें सलाम किया। उन्होंने कहा कि बीस साल पहले कारगिल की चोटी पर पाकिस्तान को परास्त कर हमारे वीर जवानों ने कारगिल की पहाड़ियों पर तिरंगा लहराया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

उठाने होंगे सख्त कदम

संयुक्त राष्ट्र की आतंकवाद संबंधी रपट में यह दर्ज किया जाना गंभीर चिंता का विषय है कि केरल और कर्नाटक में खूंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट यानी आइएस का मजबूत नेटवर्क है। इस पर हैरानी इसलिए नहीं, क्योंकि इन दोनों राज्यों में आइएस के कई सदस्य और समर्थक गिरफ्तार किए जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र की इस रपट को केंद्र सरकार के साथ केरल और कर्नाटक को गंभीरता से लेना चाहिए। इसी के साथ विभिन्न राजनीतिक-गैर राजनीतिक संगठनों को भी चेतना चाहिए। इस मामले में धार्मिक नेताओं की भूमिका अहम है, लेकिन समस्या यह है कि अपने देश में तमाम ऐसे लोग हैं जो या तो इस तरह की रपटों को खारिज करते हैं या फिर आइएस, अलकायदा जैसे आतंकी संगठनों से जुड़ने वालों को भटके हुए लोग बताते हैं। कुछ तो ऐसे हैं कि आइएस के लिए काम करने वालों की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही उन्हें निर्दोष बताने का अभियान छेड़ देते हैं। इससे भी खराब बात यह है कि इस काम में अगुआ बनते हैं तमाम पढ़े-लिखे लोग और साथ ही राजनीतिक एवं धार्मिक नेता। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र की इस रपट को मुसलमानों को बदनाम करने की साजिश बताया जाना लगे। आखिर यह काम पहले होता ही रहा है। ऐसे तत्वों को बेनकाब और हतोत्साहित करने की सख्त जरूरत है। इसमें देरी नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र की रपट यह भी कह रही है कि अफगानिस्तान में अलकायदा की एक टोली में भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान के सदस्य सक्रिय हैं और वे इस क्षेत्र में आतंकी हमलों की साजिश रच रहे हैं। इससे अधिक चिंताजनक और कुछ नहीं कि भारत आइएस के निशाने पर भी है और अलकायदा के भी। संयुक्त राष्ट्र की रपट से यह भी स्पष्ट होता है कि आइएस और अलकायदा के कमजोर पड़ने के दावे सही नहीं हैं। भले ही आइएस सीरिया और इराक में कमजोर पड़ गया हो, लेकिन उसने दुनिया के अन्य इलाकों में जड़ें जमा ली हैं। इनमें अफगानिस्तान प्रमुख है, जहां सक्रिय तालिबान किस्म-किस्म के जिहादी संगठनों को संरक्षण देने में लगा हुआ है। दुनिया को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि जहां तालिबान को संरक्षण देने का काम कर रहा है पाकिस्तान वहीं उसका आका बना हुआ है चीन। आइएस और अलकायदा की सक्रियता यह बताने के लिए भी पर्याप्त है कि उनकी प्रचार सामग्री इंटरनेट के जरिये लोगों के दिमाग में जहर घोल रही है। भारत को न केवल इस जहरीली सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे, बल्कि विश्व समुदाय को इसके लिए चेताना भी होगा कि इंटरनेट किस तरह आतंकवाद को खाद-पानी दे रहा है।

आज के ट्वीट

भाई

जाकिर नाइक का साफ कहना है कि इस्लाम को मानने वाले करदाताओं के रुपयों से मंदिर या किसी गैर मुस्लिम पूजा स्थल का निर्माण नहीं किया जा सकता है।और यही वास्तविकता भी है।यह भारत में ही हिन्दू मुस्लिम भाई चारे की बातें की जाती है, बांकि कहीं भी इन्हें कोई भाई मानने लिए तैयार नही है।-- अर्णव गोस्वामी

तिब्बत नीति से चीन पर अमेरिकी दबाव

पुष्परंजन

यह तिब्बतियों के लिए सुखद ख़बर थी कि अमेरिका ने उनके आर्थिक-सांस्कृतिक कार्यकलापों को समृद्ध करने के लिए एक मिलीयन डॉलर की सहायता राशि धर्मशाला में तिब्बत की निर्वासित सरकार (टीजीआईई) की एक इकाई, सोशल एंड रिसोर्स डेवलपमेंट फंड (एसएआरडीएफ) को ट्रांसफर कर दी। यह पहला अवसर है, जब अमेरिका ने सीधा 'टीजीआईई' को फंड ट्रांसफर किया है। ख़बर 13 जुलाई, 2020 को आई, मगर उस पर अमल 23 जून, 2020 को हो चुका था। यूएसएड के माध्यम से नौ लाख 97 हज़ार 124 डॉलर 'एसएआरडीएफ' को ट्रांसफर किये गये। दरअसल, ट्रंप प्रशासन ने 17 मिलियन डॉलर तिब्बतन फंड के लिए 30 सितंबर, 2019 को देना स्वीकार किया था। उसमें 'इकोनॉमिक सपोर्ट फंड' के लिए अलग से 30 लाख डॉलर देने पर भी विचार किया गया था। सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) की स्थापना दलाई लामा के महाभिनिष्क्रमण के बाद, 29 अप्रैल, 1959 को धर्मशाला में हुआ था। दक्षिण एशिया के विभिन्न ठिकानों पर रहने वाले तिब्बतियों की सहायता के वास्ते सोशल एंड रिसोर्स डेवलपमेंट फंड (एसएआरडीएफ) की स्थापना, 1997 में हुई थी। एसएआरडीएफ के आर्थिक मददगारों में यूरोपीय संघ, नार्वेजियन चर्च एड, स्वीडिश आर्गेनाइज़ेशन फॉर इंडीविज़ुअल हेल्प, इसडेल फांउडेशन, अमेरिकी गृह मंत्रालय के भी नाम दिखते हैं। चीन मानता है कि 'एसएआरडीएफ' में आने वाले कई लाख करोड़ चीन विरोधी गतिविधियां जारी रखने के वास्ते है। भारतीय गृह मंत्रालय की ओर से एसएआरडीएफ में आने वाली राशि पर कोई रोक नहीं है। 2020-21 के लिए तिब्बत की निर्वासित सरकार का सालाना बजट था, 2 अरब 75 करोड़ 44 लाख 87 हज़ार रुपये। इसकी पूर्ति का एकमात्र साधन फॉरेन फंडिंग है। चीन की भृकुटि इस समय सीआईए की सक्रियता को लेकर तनी है। उसे शक है कि सीआईए के एजेंडे में दोबारा से तिब्बत आ चुका है। इस विषय पर भारत कहां खड़ा है? 22 से 27 जून, 2003 को तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पेइचिंग यात्रा पर गये थे। 23 जून, 2003 को जो उभयपक्षीय समझौते हुए, उसमें तिब्बत पर भारत के रुख़ को बदल दिया गया था। उससे पहले भारत की कूटनीतिक शब्दावली में 'तिब्बत स्वायत क्षेत्र (तिब्बत ऑटोनोमस रीजन)' था। उसमें रद्दोबदल कर समझौते में लिखा गया 'भारतीय पक्ष 'तिब्बत स्वायत क्षेत्र' को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का हिस्सा मानता है, और दोहराता है कि तिब्बतियों को चीन विरोधी राजनीतिक गतिविधियों के वास्ते भारत में अनुमति नहीं मिलेगी।' निज़ाम बदले। भारत-चीन के साझा बयान 11 अप्रैल, 2005, 21 नवंबर 2006, 16 दिसंबर, 2010 और मई, 2014 के बाद भी आये, उनमें इन्हीं लाइनों को दोहराया गया। ठीक है, अक्साई चिन के मामले में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की चूक थी, मगर जो कुछ 23 जून, 2003 को अटल जी के कर कमलों द्वारा पेइचिंग में हुआ, क्या उसे कूटनीतिक दूरदर्शिता कहेंगे? 23 जून, 2003 के साझा मसौदे में हमने अरुणाचल को भारत का हिस्सा शामिल कराया होता, तो संभवतः कह सकते थे कि एक बराबर की सौदेबाज़ी उस समय हुई थी। चीन दलाई लामा के हर अरुणाचल दौरे पर 1914 के शिमला कन्वेंशन की वजह से चिल्लम-चिल्ली करता है। कन्वेंशन के हवाले से तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने माना था कि दक्षिणी तिब्बत के पड़ोस में बसा त्वांग और संपूर्ण अरुणाचल भारत का हिस्सा है। चीन 1914 के शिमला कन्वेंशन को मानने से इनकार करता रहा है। दरअसल, तिब्बत कार्ड हम उस तरह नहीं खेल पाये, जैसे अमेरिका खेलता है। एक आम फहम है कि तिब्बत की निर्वासित सरकार की स्थापना पंडित नेहरू की वजह से हुई। मगर, सच यह है कि इस पूरे खेल को सीआईए के 'स्पेशल एक्टिविटी डिवीजन' ने अंजाम दिया था। सीआईए अभिलेखागार में डिक्लासिफाइड हुए दस्तावेज़ बताते हैं कि सीआईए का 'स्पेशल एक्टिविटी डिवीजन' (एसएडी) ने 14वें दलाई लामा का तिब्बत से पलायन का इंतज़ाम किया था। उस समय के अमेरिकी राष्ट्रपति आइजनहॉवर संभवतः पंडित नेहरू को समझा पाने में सफल हुए थे कि तिब्बत की निर्वासित सरकार भविष्य में चीन पर अंकुश का काम करेगी। बाद में 20 जनवरी, 1969 को राष्ट्रपति निक्सन सत्ता में आये, तो तिब्बत की निर्वासित सरकार को और भी फंड व ताक़त मिली। उन दिनों तिब्बत को केंद्र में रखकर सीआईए जो कुछ कर रही थी, उसे रूसी एजेंसियां 'काउंटर' तो नहीं कर पा रही थीं, मगर समय-समय पर उन गतिविधियों पर से पर्दा उठाने का काम क्रेमलिन की तरफ से होता रहा। रूसी इतिहासकार दिमित्रि बर्खोतुरोव ने कई सारे दस्तावेजों के आधार पर खुलासा किया कि यूएस कांग्रेस ने 1 लाख 80 हज़ार डॉलर 1964 के ड्राफ्ट बजट में आवंटित किया था। तिब्बत आंदोलन में सीआईए की कितनी गहरी दिलचस्पी रही है, उसका सबसे बड़ा उदाहरण पश्चिमी नेपाल सीमा से लगा तिब्बत का खाम प्रदेश है, जहां 1959 में खंफा युद्ध हुआ था। इसके लिए अमेरिका के कोलराडो स्थित कैंप हाले में 2100 खंफा लड़ाके लाये गये और उन्हें गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग देकर नेपाल के बरास्ते वापस खाम भेजा गया। इस पूरे कार्यक्रम में नौ लाख डॉलर के ख़र्चे की मंज़ूरी अमेरिकी कांग्रेस से ली गई थी, जिसमें चार लाख डॉलर कैंप हाले में व्यय किया गया था। बदलते वक्त के साथ तिब्बतियों को सीआईए का सहयोग धीरे-घीरे कम होता गया। 1968 में सूचना मिली कि सीआईए के ज़रिये तिब्बतियों को बजटीय सहयोग कम करके 11 लाख, 65 हज़ार डॉलर कर दिया गया था। दूसरी ओर तिब्बत में चीनी अलग खेल चल रहे थे। उन्होंने मार्च, 2019 में एक श्वेत पत्र के ज़रिये घोषणा कर दी कि तिब्बत में धार्मिक स्वतंत्रता है, जहां लामाओं की संख्या 46 हज़ार है, और बुद्ध के 358 जीवित अवतार हैं। आधिकारिक जानकारी में यह भी बताया, 'तिब्बत में चार मस्जिदें और 12 हज़ार मुसलमान हैं, एक कैथलिक चर्च है, और 700 ईसाई।' कम लोगों को पता है कि अमेरिकी डेमोक्रेट नेता नैंसी पलोसी के ल्हासा जाने का इंतज़ाम नवंबर, 2015 के पहले हफ्ते में चीनी प्रशासन ने किया था। तब नैंसी पलोसी ने 'तिब्बत में सब चंगा सी' बोलकर उन्हें तुष्ट तो कर दिया, मगर दो साल बाद 9 मई, 2017 को जब वो दलाई लामा से मिलने धर्मशाला पहुंच गईं, तो चीनियों के कान खड़े हुए। तिब्बत एक ऐसा त्रिकोण है, जहां राष्ट्रपति ट्रंप और डेमोक्रेट नेता नैंसी पलोसी एक मंच पर आ जाते हैं। आख़िरी बार 7 फरवरी, 2020 को दोनों नेता तिब्बतियों के लिए प्रेयर मीटिंग में एक साथ मंच पर नमूदार थे। भारत में सत्ता व प्रतिपक्ष को क्या नैंसी पलोसी और ट्रंप से सबक नहीं लेना चाहिए, जो सारी तल्खी के बावजूद तिब्बत के सवाल पर एक पेज पर दिखते हैं? लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

ज्ञान गंगा

आदर

श्रीराम शर्मा आचार्य

मनुष्य की श्रेष्ठता की कसौटी यह होनी चाहिए कि उसके द्वारा मानवीय उच्च मूल्यों का निर्वाह कितना हो सका। योग्यताएं, विभूतियां तो साधन मात्र हैं। लाठी एवं चाकू स्वयं न तो प्रशंसनीय हैं, न निन्दनीय। उनका प्रयोग पीड़ा पहुंचाने के लिए हुआ या प्राण-रक्षा के लिए? इसी आधार पर उनकी भर्त्सना या प्रशंसा की जा सकती है। मनुष्य की विभूतियां एवं योग्यताएं भी ऐसे ही साधन हैं। उनका उपयोग कहां होता है, इसका पता मनुष्य के विचारों एवं कार्यों से लगता है। मनुष्यता का गौरव एवं सम्मान इन जड़ साधनों से नहीं, उसके प्राण रूप सद्विचारों एवं सद्प्रवृत्तियों से जोड़ा जाना चाहिए। उसी आधार पर सम्मान देने, प्राप्त करने की परंपरा बनाई जानी चाहिए। जिस कार्य से प्रतिष्ठा बढ़ती है, उसे करने के लिए उसी मार्ग पर चलने हेतु लोगों को प्रोत्साहन मिलता है। प्रबुद्ध जन प्रशंसा और निंदा करने में, सम्मान और तिरस्कार करने में थोड़ी सावधानी बरतें, तो लोगों को कुमार्ग पर न चलने और सत्पथ अपनाने हेतु प्रेरणा दे सकते हैं। आम तौर से उनकी प्रशंसा की जाती है जिन्होंने विशेष सफलता, योग्यता, संपदा एवं विभूति एकत्रित कर ली है। विभूतियों को लोग केवल अपनी सुख-सुविधा के लिए ही एकत्रित नहीं करते वरन् प्रतिष्ठा प्राप्त करना भी उद्देश्य होता है, क्योंकि धन, वैभव वालों को ही समाज में प्रतिष्ठा मिलती है तो सम्मान का भूखा मनुष्य किसी भी कीमत पर उसे प्राप्त करने के लिए आतुर हो उठता है। अनीति और अपराधों की बढ़ोतरी का एक प्रमुख कारण यह है कि अंधी जनता हर सफलता की प्रशंसा करती है और हर असफलता को तिरस्कार की दृष्टि से देखती है। धन के प्रति आदर बुद्धि तभी रहनी चाहिए जब वह नीति और सदाचारपूर्वक कमाया गया हो। अधर्म और अनीति से उपार्जित धन द्वारा धनी बने हुए व्यक्ति के प्रति हम आदर बुद्धि रखते हैं तो इससे उस प्रकार के अपराध करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन ही मिलता है और इस दृष्टि से अपराध वृद्धि में हम स्वयं भी भागीदार बनते हैं। दूसरों को सन्मार्ग पर चलाने का, कुमार्ग की ओर प्रोत्साहित करने का एक बहुत बड़ा साधन हमारे पास मौजूद है, वह है आदर और अनादर। जिस प्रकार वोट देना छोटी घटना मात्र है पर उसका परिणाम दूरगामी होता है, उसी प्रकार आदर के प्रकटीकरण का भी दूरगामी परिणाम संभव है।

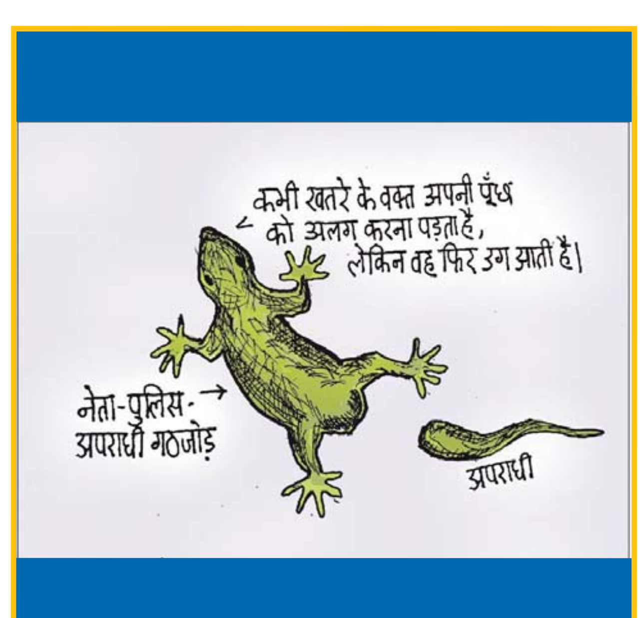

सूखे की जटा से जलधारा ले आये शंकर

चर्चित चेहरा/ अरुण नैथानी

सूखे से जूझता बुंदेलखंड, जहां मालगाड़ियों के जरिये पानी पहुंचाने की सरकारी कवायदें होती रही हों, एक अनाम गांव में एक व्यक्ति के पुरुषार्थी नेतृत्व से खेत हरे-भरे हो जाएं और कुओं, तालाब-बावड़ियों में लबालब पानी नजर आए, तो सुखद आश्चर्य होता है। बिना किसी सरकारी मदद और कर्जे के ये संभव होना बड़ी बात है। ये बदलावकारी नेतृत्व दिया बांदा जनपद के जखनी गांव के सर्वोदयी जलयोद्धा उमा शंकर पांडे ने। उन्होंने दो ही नारे लोगों को दिये 'खेत पर मेड़, मेड़ पर पेड़।' और 'वर्षा का जल जहां भी गिरे रोक लो।' जखनी गांव के लोग जुटे, खेतों में मेड़ बनी, खेतों की प्यास बुझी। खेतों का शेष पानी और गांव से निकले पानी को तालाबों में भरा गया और गांव मुस्कराने लगा। मेड़ों पर पेड़ लगे तो गांव में हरियाली की चादर बिछ गई। जैसे पेड़ कह रहे हों 'बादल को हम रोकेंगे, तुम पानी को रोको।' परंपरागत जल संग्रहण के तरीकों से इस गांव ने समृद्धि की नई इबारत लिख दी है। जखनी को जल ग्राम बनाने की प्रेरणा कहां से मिली? उमा शंकर पांडे बताते हैं कि पूर्व राष्ट्रपति व देश के चोटी के वैज्ञानिक ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने आत्मनिर्भरता के लिए 'जल ग्राम' की अवधारणा का विचार दिया था, जिससे उन्हें प्रेरणा मिली। पांडे का मानना है कि आधुनिक सभ्यता ने जल की विलासिता को बढ़ावा दिया, मगर जल स्रोतों का संरक्षण भुला दिया। बुंदेलखंड के राजाओं ने जल संरक्षण के लिए जो अनुसंधान किये, वे आज भी खरे हैं। बुदेलखंड के पहाड़ों पर बनी बावड़ियों का जल स्रोत कहां है, लोग आज भी तलाशते हैं। उन राजाओं की दूरगामी सोच का जिक्र करते हुए पांडे बताते हैं कि राजा छत्रसाल ने 51 लड़ाइयां जीती थीं और 52 बावड़ियां बनायी थीं। वे जीवन के लिए सेना से ज्यादा पानी जरूरी मानते थे। उन्हें प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण के दूरगामी परिणामों का पता था। आज यह सोच देश के लिए बेहद जरूरी है, जहां-जहां दुनिया का कुल दो प्रतिशत पेयजल उपलब्ध है जबकि यहां दुनिया की 16 फीसदी आबादी रहती है जो भविष्य में जल संकट की आहट दर्शाती है। जलयोद्धा पांडे का मानना रहा है कि जल संसाधनों को संवर्धन सरकार नहीं, सामाजिक भागीदारी से संभव है। जखनी गांव के लोगों ने इस महत्व को समझा। यह अभियान यदि सफल हुआ तो इसमें गांव के लोगों का अथक योगदान है। शुरू में लोगों ने विरोध भी किया, मुझ पर हमला भी हुआ। मुझे कुछ लोगों ने अनाप-शनाप भी कहा। लेकिन इसके बावजूद वे जी-जान से परंपरागत तौर-तरीकों से जल संग्रहण के अभियान में जुट गये। जो गांव पहले छोटी-छोटी दैनिक सुविधाओं के लिए मोहताज था, वहां गांव ने आसपास के चार हजार श्रमिकों को दैनिक रोजगार दिया है। एक समय पानी व खेती के अभाव में जो युवक शहरों की ओर पलायन कर गये थे, उनमें से 95 फीसदी गांव लौट आये हैं। यहां तक कि नीति आयोग ने वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स 2019 में बुंदेलखंड के जखनी गांव मॉडल ग्राम के रूप में प्रस्तुत किया है। एक हजार से अधिक गांवों में इस मॉडल को लागू करने के निर्देश दिये हैं। कई बार प्रधानमंत्री कार्यालय के ट्वीट में जखनी गांव की उपलब्धियों का जिक्र किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तक गांव के प्रयासों को सराह चुके हैं। जल योद्धा उमा शंकर पांडे ने इस मुहिम की प्रेरणा के लिये परिवार के संस्कारों को श्रेय दिया। उनके परदादा महावीर पांडे जाने-माने स्वतंत्रा सेनानी थे, जिन्हें अंग्रेजों ने फतेहपुर में फांसी पर लटका दिया था। दादा रामपति पांडे स्वतंत्रता संग्राम में कूदे तो अंग्रेजों के दमन से बचने के लिए वे घर-बार छोड़कर ननिहाल जखनी आ गये। वे उन दिनों स्वतंत्रता आंदोलन के साथ-साथ विनोबा भावे के सर्वोदय आंदोलन से भी जुड़ गये। आजादी के बाद उन्होंने सरकार से कोई पेंशन व सुविधा नहीं ली। उन्होंने कहा कि यह आजादी मेरी भी है। बाद में पिता विजय बहादुर पांडे सर्वोदय आंदोलन में विनोबा भावे के साथ भूदान अभियान में कूद गये। एक बार जब मैंने उनसे कहा मुझे बस का लाइसेंस दिलवा दो, कुछ काम-धंधा करूं। तो उनका जवाब था कि हम सर्वोदयी लोग हैं। पर्यावरण खराब नहीं करेंगे। व्यवस्था के जहाज में पुर्जा नहीं बनेंगे। पेड़ लगाओ, जल बचाओ और प्रकृति का संवर्धन करो। एक बार उन्होंने मुझे पत्र लिखकर विनोबा भावे जी के पास भेजा और वहां मेरी मुलाकात सर्वोदयी आंदोलन की अगुवा निर्मला देशपांडे जी से हुई, फिर समाज के लिए कुछ करने की ललक पैदा हुई। बहरहाल, आज जखनी परंपरागत संसाधनों के संवर्धन से समृद्धि की बयार लाने वाले ग्राम के रूप में एक मिसाल बन गया है। आसपास के सूखे से जूझ रहे सैकड़ों गांवों में जखनी के मॉडल पर 'जल ग्राम' बनाने की मुहिम शुरू हो गई है। आज जखनी गांव न केवल जल के मामले में आत्मनिर्भर हुआ है बल्कि खेती की समृद्धि से पलायन भी रुका है। पांडे कहते हैं कि निःशुल्क जल पिलाने की संस्कृति वाले देश में बाजार पानी का समाधान नहीं कर सकता। उनका कहना है 'पानी बनाया नहीं जा सकता। पानी उगाया नहीं जा सकता। प्रकृति द्वारा दिये गये पानी को रोककर पानी की फसल को बोया जा सकता है।'

निस्संदेह उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए जल देवता को जगाया है। गांव के छह तालाब और पानी से लबालब भरे तीस कुएं इस मुहिम की सफलता बयान कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

तरल योजनाओं में निवेश के दम पर जून तिमाही में डेट म्यूचुअल फंड को मिले 1.1 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। बैंकिंग और सार्वजनिक उपक्रम कोषों समेत त्वरित खरीद फरोख्त सुविधा वाली योजनाओं में निवेश के दम पर जून तिमाही में डेट म्यूचुअल कोषों में 1.1 लाख करोड़ रुपये का निवेश देखने को मिला। जून तिमाही में रिणपत्रों से जुड़े म्यूचुअल फंड में यह बड़ा निवेश एक तिमाही पहले की भारी-भरकम निकासी के बाद देखने को मिली है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, निश्चियत आय वाली प्रतिभूतियों अथवा डेट कोषों में निवेश करने वाली अधिकांश व्यक्तिगत श्रेणियों में निवेश की आमद देखी गयी है। हालांकि, क्रेडिट जोखिम, अत्यल्प अवधि, मध्यम अवधि तथा गतिशील बांड कोषों में निकासी देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार, सकारात्मक प्रवाह ने जून अंत में डेट म्यूचुअल फंड के परिसंपत्ति आधार को 11.63 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा दिया, जो मार्च तिमाही के अंत में 11.5 लाख करोड़ रुपये था। जनवरी-मार्च 2020 तिमाही में 1.13 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई। वहीं साल भर पहले की समान तिमाही यानी जून 2019 तिमाही में ऐसे कोषों को 19,690 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान तरल कोषों को 86,493 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। मार्च तिमाही में इनसे 94,180 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इसी तरह जून तिमाही में बैंकिंग व सार्वजनिक उपक्रम श्रेणी को 20,912 करोड़ रुपये के निवेश प्राप्त हुए। मार्च तिमाही में इनसे 66 करोड़ रुपये निकाले गये थे। कॉरपोरेट बांड में निवेशकों ने 18,738 करोड़ रुपये डाले। हालांकि क्रेडिट जोखिम वाले कोषों से 25,905 करोड़ रुपये की निकासी देखने को मिली। इनसे अप्रैल में 19,239 करोड़ रुपये, मई में 5,173 करोड़ रुपये और जून में 1,494 करोड़ रुपये निकाले गये।

राजधानी में रिकॉर्ड स्तर पर डीजल के भाव

बिजनेस डेस्क। पेट्रोल और डीजल के मोर्चे पर आम आदमी को बड़ा झटका लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने आज डीजल की कीमतों में 13 से 15 पैसे तक की बढ़ोतरी की है। इसी के साथ दिल्ली में एक लीटर डीजल का भाव रिकॉर्ड 82 रुपए के करीब पहुंच गया है। हालांकि तेल कंपनियों ने पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इसके दाम में अंतिम बार बीते 29 जून को बढ़ोतरी हुई थी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज एक लीटर पेट्रोल का भाव 80.43 रुपए और डीजल का भाव 15 पैसे बढ़कर रिकॉर्ड 81.94 रुपए प्रति लीटर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच चुकी है। डीज़ल की कीमतें बढ़ने से अब रोजमर्रा की चीज़ें महंगी हो रही हैं। माल ढुलाई का भाड़ा बढ़ने से फल-सब्जियों की कीमत में उछाल आना तय है। वहीं, एफएमसीजी वस्तुओं की कीमतों में भी इजाफा हो सकता है। इंडियन ऑयल के अनुसार मुंबई में पेट्रोल की कीमत 87.19 रुपए प्रति लीटर है। वहीं डीजल 14 पैसे महंगा होकर 79.97 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में आज पेट्रोल 82.10 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल की कीमत 13 पैसे बढ़कर 77.04 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 83.63 रुपए प्रति लीटर है, जबकि डीजल 13 पैसे महंगा हुआ है और अब नई कीमत 78.86 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इस सप्ताह के शुरूआती दिनों को छोड़ दिया जाए तो शेष दिन कच्चे तेल की कीमतों में शांति रही। बीते मंगलवार को ही कच्चा तेल चढ़ कर चार महीने के उच्चतम स्तर पर चला गया था। लेकिन उसके बाद से ही इसमें मामूली नरमी या तेजी का रूख है। बीते शुक्रवार को भी कारोबार की समाप्ति पर यह 0.22 डॉलर की तेजी के साथ बंद हुआ था।

घरेलू, निर्यात बाजार में सुधर रही है दुपहिया वाहनों की बिक्री: बजाज ऑटो

नई दिल्ली।

बजाज ऑटो की दुपहिया वाहन बिक्री में घरेलू के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सुधार आ रहा है। हालांकि, तिपहिया बाजार में अभी कंपनी को अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) सोमेन रे ने यह जानकारी दी है। कंपनी ने हालांकि, कहा कि अगले माह के अंत तक इस बारे में सही तस्वीर सामने आएगी कि जो अब आ रही है, यह पिछले महीनों की दबी मांग है या वास्तव में उद्योग पुनरोद्धार की राह पर है। रे ने कहा, 'हम माह-दर-माह आधार पर बिक्री में सुधार देख रहे हैं। अप्रैल में कोई वाहन नहीं बिका। मई में भी बड़ी गिरावट आई। जून की स्थिति मई से बेहतर रही। अब जुलाई की स्थिति जून से कहीं बेहतर दिख रही है।' उन्होंने कहा कि मांग परिदृश्य में काफी तेजी से सुधार हो रहा है। यह पिछली महीनों की दबी मांग भी हो सकती है। इसकी सही तस्वीर अगस्त में सामने आएगी। अप्रैल-जून तिमाही में घरेलू बाजार में कंपनी की वाहन बिक्री 69.55 प्रतिशत घटकर 1,85,981 इकाई रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 6,10,936 इकाई रही थी। हालांकि, रे ने कहा कि घरेलू तिपहिया बाजार के पुनरोद्धार में अभी समय लगेगा। उन्होंने कहा, 'इस तरह के ज्यादातर वाहन ऋण लेकर खरीदे जाते हैं। ऐसे में जब काम नहीं है, तो कोई क्यों मासिक किस्त या ईएमआई शुरू करना चाहेगा।' उन्होंने कहा कि लॉकडाउन समाप्त होने के बाद ही यात्री तिपहिया बाजार में सुधार आएगा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी की वाणिज्यिक वाहन (तिपहिया) बिक्री 93.87 प्रतिशत घटकर 5,282 इकाई रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 86,217 इकाई थी। यह पूछे जाने पर कि कंपनी त्योहारी मौसम में बिक्री में सुधार की उम्मीद कर रही है, रे ने कहा, 'निश्चित रूप से हम ऐसा चाहते हैं। कोई वजह नहीं कि ऐसा नहीं हो सकता। लेकिन हमें अगस्त को देखना होगा। यदि अगस्त का महीना काफी अच्छा रहता है, तो त्योहारी सीजन भी अच्छा रहेगा।

सरकार उर्वरक क्षेत्र में कारोबार सुगमता के लिए उठा रही है कदम: गौड़ा

नई दिल्ली। रसायन और उर्वरक मंत्री डी वी सदानंद गौड़ा ने शनिवार को कहा कि सरकार उर्वरक क्षेत्र में कारोबार करने की आसानी और किसानों को इन मृदा पोषक तत्वों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उपाय कर रही है। एक सरकारी बयान के मुताबिक गौड़ा ने कहा कि सरकार इस क्षेत्र में व्यापार को सुगम बनाने के लिए सभी प्रयास कर रही है ताकि इसे सही मायने में आत्मानिर्भर बनाया जा सके और किसान समुदाय को बेहतर सेवा प्रदान की जा सके। इस दिशा में सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों का विस्तृत ब्यौरा देते हुए, गौड़ा ने कहा कि उर्वरक विभाग ने मौजूदा प्रणाली में सुधार लाने के लिए जुलाई 2019 में एक किसान हितैषी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) 2.0 संस्करण शुरू किया है। डीबीटी 2.0 के तीन घटक हैं जैसे डीबीटी डैशबोर्ड, पीओएस 3.0 सॉफ्टवेयर और डेस्कटॉप पीओएस संस्करण। सरकार द्वारा आपूर्ति नेटवर्क को दुरुस्त बनाने के लिए किए गए प्रयासों के बारे में, गौड़ा ने कहा कि सरकार ने उन्होंने बताया कि वर्ष 2019-20 के दौरान, तटीय शिपिंग के माध्यम से 1.14 लाख टन उर्वरकों को अन्य स्थानों पर भेजा गया है।

अप्रैल में मोबाइल फोन ग्राहकों की संख्या 0.71 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली। देश में कुल फोन ग्राहकों की संख्या एक माह की अवधि में 0.72 प्रतिशत घट गई है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2020 के अंत तक कुल फोन ग्राहकों की संख्या घटकर 116.94 करोड़ रह गई, जबकि मार्च अंत तक यह आंकड़ा 117.79 करोड़ पर था। शहरी क्षेत्रों में फोन कनेक्शनों की संख्या 1.41 प्रतिशत घटकर 64.71 करोड़ पर आ गई। वहीं ग्रामीण इलाकों में फोन ग्राहकों की संख्या एक माह की अवधि में 0.14 प्रतिशत बढ़कर 52.15 करोड़ से 52.22 करोड़ पर पहुंच गई। मार्च 2020 के मुकाबले अप्रैल 2020 में यदि मोबाइल फोन की बात की जाये तो इस एक माह की अवधि में देश में मोबाइल फोन कनेक्शनों की संख्या 0.71 प्रतिशत घटकर 114.95 करोड़ रह गई। वहीं मार्च अंत में मोबाइल ग्राहकों की संख्या 115.77 करोड़ पर थी। शहरी इलाकों में मोबाइल ग्राहकों की संख्या 1.42 प्रतिशत घटकर 63.84 करोड़ से घटकर 62.94 करोड़ रह गई। वहीं ग्रामीण इलाकों में मोबाइल कनेक्शनों की संख्या 0.16 प्रतिशत बढ़कर 51.92 करोड़ से 52 करोड़ से कुछ अधिक रही। फोन घनत्व की बात की जाए, तो अप्रैल में कुल फोन घनत्व घटकर 86.66 प्रतिशत पर आ गया। वहीं 20 मार्च को यह 87.37 प्रतिशत था। इस दौरान शहरी क्षेत्र में फोन घनत्व 142.31 से घटकर 140.06 रह गया।

कोरोना वायरस महामारी से जून तिमाही में यात्री वाहनों के निर्यात पर पड़ा बुरा असर

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस महामारी संबंधी व्यवधानों के कारण दुनिया भर में मांग घटने से भारत से यात्री वाहनों का निर्यात चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 75 प्रतिशत गिर गया। वाहन बनाने वाली कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सिआम) के आंकड़ों के अनुसार, कुल यात्री वाहनों का निर्यात अप्रैल-जून तिमाही में घटकर 43,748 इकाई रह गया, जो कि एक साल पहले की अवधि में 1,73,054 इकाई था। 2019-20 की अप्रैल-जून अवधि में 1,36,204 इकाइयों की तुलना में यात्री कार निर्यात 76.58 प्रतिशत घटकर 31,896 इकाई रह गया। इसी प्रकार, उपयोगिता वाहनों का निर्यात समीक्षाधीन अवधि में 67.56 प्रतिशत घटकर 11,813 इकाई रहा। एक साल पहले यह 36,418 इकाई था। इसी तरह पहली तिमाही में महज 39 वैन का निर्यात किया जा सका, जो साल भर पहले के 432 वैन की तुलना में 90.97 प्रतिशत कम है। सिआम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, ''वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों के निर्यात में 75 प्रतिशत की गिरावट विश्व स्तर पर कोविड-19 से संबंधित व्यवधानों के कारण हुई है। महामारी के कारण संयंत्रों और डीलरशिप को बंद करने, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, शहरों में कर्फ्यू और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में रुकावट आई है। भारत से यात्री वाहनों का निर्यात मुख्य रूप से लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, यूरोप और एशिया के देशों में किया जाता है। वाहन निर्माताओं के बीच, हुंदै मोटर इंडिया ने अप्रैल-जून में सर्वाधिक 12,688 इकाइयों का निर्यात किया। हालांकि, पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में कंपनी का निर्यात 74.73 प्रतिशत कम रहा। इसके बाद मारुति सुजुकी इंडिया रही, जिसने पहली तिमाही के दौरान 9,410 वाहनों का निर्यात किया। यह साल भर पहले की तुलना में 65 फीसदी कम रहा। किआ मोटर्स ने 5,395 इकाइयों का निर्यात किया, जबकि फोर्ड इंडिया ने पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही से 84.53 प्रतिशत नीचे 5,209 इकाइयों का निर्यात किया। इसी तरह, फॉक्सवैगन इंडिया ने एक साल पहले की इसी अवधि के मुकाबले 77.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,154 इकाइयों का निर्यात किया। जनरल मोटर्स के पहली तिमाही में निर्यात में 84.06 प्रतिशत की गिरावट रही और यह 3,186 इकाई रहा। निसान मोटर इंडिया का निर्यात 80.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,127 इकाइयों पर आ गया।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का निर्यात एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 896 इकाई रहा जो सालाना आधार पर 79.73 फीसदी कम है। एफसीए इंडिया 475 इकाइयों का जबकि होंडा कार्स ने 142 इकाइयों का निर्यात किया।

माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट ने आईपीओ से पहले एंकर, रणनीतिक निवेशकों से जुटाए 2,644 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। के रहेजा समूह और ब्लैकस्टोन के स्वामित्व वाले माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले एंकर और रणनीतिक निवेशकों से 2,644 करोड़ रुपये जुटाए हैं। माइंडस्पेस की आईपीओ के जरिए 4,500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। आईपीओ सोमवार को खुलेगा और 29 जुलाई को बंद होगा। माइंडस्पेस ने एंकर निवेशकों से 1,518.74 करोड़ रुपये और रणनीतिक निवेशकों से 1,125 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी भारत का दूसरा सबसे बड़ा रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) शुरू कर रही है। माइंडस्पेश ने शुक्रवार रात शेयर बाजार को बताया कि के रहेजा कॉर्प इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स एलएलपी के प्रशासनिक बोर्ड की आईईआईटी पेशकश समिति ने एंकर निवेशकों को 275 रुपये प्रति शेयर की दर से 5,52,27,200 शेयर आवंटित करने को मंजूरी दी है। एंकर निवेशकों से कुल 1,518.74 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। सिंगापुर सरकार, फिडेलिटी और नोमुरा ट्रस्ट, एचएसबीसी ग्लोबल, कैपिटल इनकम बिल्डर और कोहेन एंड स्टीयर प्रमुख निवेशकों में शामिल हैं। माइंडस्पेस ने अपने सार्वजनिक निर्गम के तहत शेयरों के लिए बोली दायरा 274-275 रुपये प्रति यूनिट तय किया है।

निजीकरण से पहले बीपीसीएल कर्मचारियों के लिए लाई वीआरएस योजना, सर्विस 13 अगस्त तक

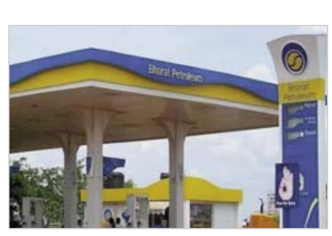

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) अपने कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) लेकर आई है। सरकार देश की तीसरी सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी तथा दूसरी सबसे बड़ी पेट्रोलियम विपणन कंपनी का निजीकरण करने जा रही है। निजीकरण से पहले कंपनी ने अपने कर्मचारियों को वीआरएस देने की पेशकश की है। बीपीसीएल ने अपने कर्मचारियों को भेजे आंतरिक नोटिस में कहा, 'कंपनी ने वीआरएस की पेशकश करने का फैसला किया है। यह योजना उन कर्मचारियों के लिए है जो विभिन्न व्यक्तिगत कारणों से कंपनी में सेवाएं जारी रखने की स्थिति में नहीं हैं। वे कर्मचारी वीआरएस के लिए आवेदन कर सकते हैं।' भारत पेट्रोलियम वीआरएस योजना-2020 (बीपीवीआरएस-2020) 23 जुलाई को खुली है। यह 13 अगस्त को बंद होगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वीआरएस उन कर्मचारियों को बाहर निकलने का विकल्प देने लिए लाया गया है, जो निजी प्रबंधन के तहत काम नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ कर्मचारियों को लगता है कि बीपीसीएल के निजीकरण के बाद उनकी भूमिका, स्थिति या स्थान में बदलाव हो सकता है। यह योजना उन्हें बाहर निकलने का विकल्प देती है।' बीपीसीएल में सरकार अपनी समूची 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही है। कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 20,000 है। अधिकारी ने बताया कि पांच से 10 प्रतिशत कर्मचारी वीआरएस का विकल्प चुन सकते हैं। बीपीसीएल के अधिग्रहण के लिए रुचि पत्र (ईओआई) 31 जुलाई तक दिया जा सकता है। पीटीआई के पास मौजूद वीआरएस नोटिस के अनुसार 45 साल की आयु पूरी कर चुके कर्मचारी इस योजना के पात्र हैं। हालांकि, सक्रिय खिलाड़ी यानी किसी खेल की वजह से कंपनी में नियुक्त हुए खिलाड़ियों तथा बोर्ड स्तर के कार्यकारी इस योजना का विकल्प नहीं चुन सकते। योजना का विकल्प चुनने वाले कर्मचारियों को प्रत्येक पूरे हुए सेवा वर्ष के लिए दो माह का वेतन या वीआरएस के समय तक का मासिक वेतन मिलेगा। सेवाकाल के शेष बचे महीनों को इसमें गुणा किया जाएगा। इसके अलावा उन्हें सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाला कंपनी छोड़ने का खर्च भी मिलेगा। वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति बाद चिकित्सा लाभ योजना के तहत चिकित्सा लाभ मिलेगा। इसके अलावा कर्मचारी अपने बचे अवकाश मसलन आकस्मिक, अर्जित, विशेषाधिकार (सीएल, ईएल और पीएल) के बदले नकदी में भुगतान भी ले सकेंगे।

एक साल में 100 रुपए महंगा हुआ सब्सिडी वाला एलपीजी सिलैंडर

नई दिल्ली। रसोई गैस सिलैंडर पर सब्सिडी में पिछले एक साल में लगातार कटौती किए जाने से इस दौरान सब्सिडी वाला सिलैंडर 100 रुपए महंगा हो गया है और अब सब्सिडी शून्य हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले साल जुलाई में 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलैंडर का बाजार मूल्य यानी बिना सब्सिडी वाले सिलैंडर की कीमत 637 रुपए थी जो अब घटकर 594 रुपए रह गई है। इसके बावजूद इस दौरान सब्सिडी वाला सिलैंडर 100 रुपए महंगा हुआ और इसकी कीमत 494.35 रुपए से बढ़कर 594 रुपए हो गई। सरकार द्वारा सब्सिडी में लगातार की गई कटौती से इस साल मई से ही सब्सिडी और बिना सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलैंडर की कीमत एक हो गई है। इस साल मई, जून और जुलाई में ग्राहकों को कोई सब्सिडी नहीं मिली है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में ही ऐसी खबरें आई थीं कि सरकार की योजना धीरे-धीरे रसोई गैस सिलैंडर पर सब्सिडी समाप्त करने की है लेकिन इस संबंध में पूछे जाने पर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान हर बार इस बात से इनकार करते रहे। दूसरी तरफ सरकार ने पिछले एक साल में सब्सिडी में लगातार कटौती की। जुलाई 2019 में सब्सिडी वाला रसोई गैस सिलैंडर 494.35 रुपए का और सब्सिडी वाला सिलैंडर 637 रुपए का था।

खर्चों में कटौती के लिए रेलवे ने उठाया बड़ा कदम, अंग्रेजों के जमाने की खास सेवा की बंद

बिजनेस डेस्क।

रेलवे ने लागत कम करने के लिए अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही डाक मैसेंजर सेवा को बंद करने का फैसला किया है। गोपनीय दस्तावेजों को भेजने के लिए इसका इस्तेमाल होता था। रेलवे ने अपने विभिन्न जोन अब वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कम्युनिकेट करने को कहा है। रेलवे बोर्ड ने 24 जुलाई को विभिन्न जोनों को भेजे गए निर्देश में कहा गया है कि लागत घटाने और प्रतिष्ठान से जुड़े खर्च बचाने के लिए रेलवे पीएसयू/रेलवे बोर्ड के अधिकारियों के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत होनी चाहिए। पर्सनल मैसेंजर/डाक मैसेंजर की बुकिंग तुरंत बंद होनी चाहिए। बोर्ड का कहना है कि इस निर्देश का पालन सुनिश्चित होना चाहिए क्योंकि इससे भत्तों, स्टेशनरी, फैक्स आदि पर होने वाले खर्च की बचत होगी। डाक मैसेंजर असल में चपरासी होते हैं जिन्हें संवेदनशील दस्तावेजों को रेलवे बोर्ड से विभिन्न विभागों, जोनों और डिवीजनों को पहुंचाने की जिम्मेदारी दी जाती है। अंग्रेजों ने यह व्यवस्था उस दौर में शुरू की थी जब इंटरनेट और इमेल की व्यवस्था नहीं थी। लागत कम करने के लिए रेलवे ने इससे पहले भी कई कदम उठाए हैं। नए पदों के सृजन पर रोक लगाई गई है, वर्कशॉप्स में कर्मचारियों की संख्या सीमित की गई है और काम को आउटसोर्स किया गया है। रेलवे बोर्ड ने साथ ही जोनों को कर्मचारियों पर होने वाले खर्च को कम करने, कर्मचारियों की संख्या कम करने और उन्हें अलग-अलग कामों के लिए तैयार करने की सलाह दी थी। बोर्ड ने उन्हें कॉन्टैक्ट्स की समीक्षा करने, बिजली खपत कम करने तथा प्रशासनिक तथा दूसरे खर्च कम करने को कहा है। साथ ही यह निर्देश दिया गया है कि सारा फाइल वर्क डिजिटल में शिफ्ट किया जाना चाहिए और आपसी संवाद सुरक्षित ई-मेल के जरिए होना चाहिए। साथ ही स्टेशनरी आइटम, कार्टिजेज और दूसरे आइटम की लागत 50 फीसदी तक कम की जानी चाहिए। जोनों से घाटे में चल रहे विभागों को बंद करने को कहा गया है।

अधिकारियों का कहना है कि अधिकांश कम्युनिकेशन ईमेल के जरिए होता है।

एमवे भारत में बढ़ाएगा अपना कारोबार, कंपनी अगले दो साल में 100 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली।

डायरेक्ट सेलिंग एफएमसीजी कंपनी एमवे इंडिया अपनी भविष्य की वृद्धि योजनाओं के तहत अगले दो साल के दौरान भारत में 100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगी। एमवे इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशु बुद्धिराजा ने यह जानकारी दी।

कोविड-19 महामारी के बीच उपभोक्ताओं के व्यवहार में काफी बदलाव आया है और ऑनलाइन कारोबार में अच्छी वृद्धि के अवसर पैदा हुए हैं। इसी के मद्देनजर कंपनी अपनी आपूर्ति श्रृंखला और होम डिलिवरी नेटवर्क को मजबूत करने की तैयारी कर रही है, ताकि उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा किया जा सके। बुद्धिराजा ने कहा, 'हम अगले दो साल के दौरान विनिर्माण ऑटोमेशन और डिजिटल पहल को मजबूत करने के लिए 100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेंगे। यह भारतीय बाजार में हमारी वृद्धि के अगले चरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।' एमवे ने भारत में 1,000 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इसमें से 600 करोड़ रुपये का निवेश तमिलनाडु के नीलाकोटाई में विनिर्माण संयंत्र लगाने पर किया जाएगा। बुद्धिराजा ने कहा कि मौजूदा स्वास्थ्य संकट की वजह से लोगों के परिदृश्य और प्राथमिकता में बदलाव आया है और अब लोग ऑनलाइन शॉपिंग की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे ऑनलाइन ऑर्डरों में अच्छा-खासा इजाफा हुआ है। फरवरी, 2020 में हमें मिलने वाले ऑनलाइन ऑर्डर 33.6 प्रतिशत थे। जून में यह आंकड़ा बढ़कर 70 प्रतिशत हो गया। हम अपनी आपूर्ति श्रृंखला और होम डिलिवरी नेटवर्क को मजबूत कर रहे हैं ताकि ऑनलाइन ऑर्डर की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।'

स्टरलाइट टेक ने कहा, बीएसएनएल पर बकाया अब 100 करोड़ से कम– इस साल निपटान की उम्मीद

नई दिल्ली।

डेटा नेटवर्क समाधान प्रदाता कंपनी स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज का भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के ऊपर बकाया अब 100 करोड़ रुपये से कम रह गया है। कंपनी को उम्मीद है कि बीएसएनएल इस साल ही शेष बकाये के बड़े हिस्से का भुगतान कर देगी। स्टरलाइट टेक समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आनंद अग्रवाल ने यह कहा। बीएसएनएल के ऊपर स्टरलाइट का बकाया 2018 के अंत तक 230 करोड़ रुपये के करीब रह गया था। उन्होंने कहा, बीएसएनएल के ऊपर हमारा बकाया अब 100 करोड़ रुपये से नीचे आ गया है ... और हमारा मानना है कि इसका एक बड़ा हिस्सा चालू कैलेंडर वर्ष के भीतर चुका दिया जाना चाहिये। एक समय में ... 2018 के अंत में, यह 220-230 करोड़ रुपये था। यह बकाया बीएसएनएल को ऑप्टिकल फाइबर केबल की बिक्री को लेकर है, जिसकी आपूर्ति 2018 में हुई थी।

अग्रवाल ने कहा, हमें बकाये का आधे से अधिक प्राप्त हो गया है, और हम देख रहे हैं कि बीएसएनएल को उबारने की योजना के साथ धन का प्रवाह भी शुरू हुआ है।' स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज ने हाल ही में अपना

परिणाम जारी किया था। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 96 प्रतिशत की गिरावट के साथ जून तिमाही में 5.96 करोड़ रुपये पर आ गया। इस दौरान कंपनी की कुल आय 38.5 प्रतिशत घटकर 885.7 करोड़ रुपये रह गयी। यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी के वृद्धि की राह पर लौटने की उम्मीद है, अग्रवाल ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में निश्चित रूप से कुछ वृद्धि देखने को मिलेगी और तीसरी तिमाही में पूरी तरह से सामान्य हो जायेगी।

अलीबाबा और जैक मा को भारतीय कोर्ट ने भेजा समन, फेक न्यूज फैलाने का आरोप

बिजनेस डेस्क।

चीन की दिग्गज कंपनी अलीबाबा और इसके फाउंडर जैक मा को एक भारतीय कोर्ट ने समन भेजा है। यह समन उस केस में भेजा गया है, जिसमें कंपनी ने भारत में एक कर्मचारी को कथित रूप से गलत तरीके से नौकरी से निकाल दिया था। कंपनी पर केस करने वाले पूर्व कर्मचारी का कहना है कि कंपनी के ऐप पर एक फेक न्यूज फैलाई जा रही है, जिसके खिलाफ कर्मचारी ने बोला था और फिर उसे नौकरी से निकाल दिया गया। कुछ हफ्ते पहले ही भारत ने चीन के 59 ऐप को बैन किया है। इनमें अलीबाबा का ऐप यूसी न्यूज और यूसी ब्राउजर भी शामिल है। ये बैन लद्दाख में सीमा पर भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुए तनाव के बाद लगाया गया, जिसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे। भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरे का हवाला देते हुए ये बैन लगाया है। इस बैन की चीन ने आलोचना भी की थी। इसके बाद भारत ने सभी प्रभावित कंपनियों से लिखित रूप से जवाब मांगा था कि उन्होंने कंटेंट सेंसर किया था या किसी विदेशी सरकार के लिए काम किया था। 20 जुलाई की इस कोर्ट की फाइलिंग के अनुसार अलीबाबा की यूसी वेब के एक पूर्व कर्मचारी पुष्पेंद्र सिंह परमार ने आरोप लगाया कि कंपनी चीन के खिलाफ सभी कंटेंट को सेंसर करती थी और इसके यूसी ब्राउजर और यूसी न्यूज ऐप फेक न्यूज चलाते थे, जिससे सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो। गुरुग्राम के एक जिला कोर्ट की सिविल जज सोनिया शेओकांड ने अलीबाबा, जैक मा और करीब दर्जन भर लोगों के खिलाफ समन जारी किया है। उनसे कहा गया है कि वह 29 जुलाई तक खुद कोर्ट में आएं या अपने वकील को कोर्ट में भेजें। जज ने कंपनी और इसके एग्जिक्युटिव्स से 30 दिन के अंदर लिखित जवाब भी देने को कहा है। पुष्पेंद्र सिंह परमार ने 200 पेज की याचिका में यूसी न्यूज की कुछ पोस्ट की क्लिप भी लगाई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

डब्ल्यूएनबीए के सत्र के पहले मैच में स्टॉर्म ने लिबर्टी को हराया

ब्रेडेन्टन । ब्रियाना स्टीवर्ट के 18 अंक और आठ रिबाउंड की बदौलत सिएटल स्टॉर्म ने अपने सत्र के पहले महिला नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (डब्ल्यूएनबीए) मैच में न्यूयॉर्क लिबर्टी को 87-71 से हरा दिया। कोरोना वायरस महामारी के कारण 2020 डब्ल्यूएनबीए सत्र में विलंब हुआ और इसे छोटा कर दिया गया है। टूर्नामेंट अब आईएमजी अकादमी में जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खेला जा रहा है। स्टीवर्ट 2018 में सिएटल को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने के बाद उसकी ओर से पहला मैच खेल रही थी। अप्रैल 2019 में रूस की क्लब टीम की ओर से खेलते हुए उनके पैर में चोट लग गई थी जिसके कारण वह डब्ल्यूएनबीए के पिछले सत्र में नहीं खेल पाई थी। स्टीवर्ट के अलावा सिएटल की ओर से जेवेल लॉयड ने 14 और स्यु बर्ड ने 11 अंक जुटाए। लिबर्टी की ओर से लेशिया क्लेरेन्डन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20 अंक बनाए।

क्रिकेट

ब्रॉड और एंडरसन के कहर से विंडीज संकट में

मैनचेस्टर । तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने 62 रन की तूफानी पारी खेलने के बाद दो विकेट निकालकर इंग्लैंड को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को बेहद मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। ब्रॉड की 62 रन की आतिशी पारी से इंग्लैंड ने पहली पारी में 369 रन बनाये जबकि वेस्ट इंडीज ने दिन का खेल खराब रोशनी के कारण निर्धारित समय से पहले समाप्त किये जाने तक अपने छह विकेट मात्र 137 रन पर गंवा दिए थे और वह पहली पारी में 232 रन पीछे है।ब्रॉड और उनके जोड़ीदार जेम्स एंडरसन ने दो-दो विकेट लेकर विंडीज को झकझोर दिया। जोफ्रा आर्चर और क्रिस वोक्स ने एक-एक विकेट लिया। स्टंम्प के समय कप्तान जैसन होल्डर 24 और शेन डावरिच 10 रन बनाकर क्रीज पर थे। ब्रॉड को पहले टेस्ट से बाहर रखा गया था लेकिन दूसरे टेस्ट में अपनी वापसी पर उन्होंने मैच में कुल छह विकेट लिए। तीसरे मैच में उन्होंने 62 रन की पारी ऐसे समय खेली जब इंग्लैंड के आठ विकेट 280 रन पर गिर गए थे। ब्रॉड ने 45 गेंदों पर 62 रन की अपनी पारी में नौ चौके और एक छक्का लगाया जिसकी बदौलत इंग्लैंड 369 तक पहुंच गया। विंडीज की दूसरी पारी में दो विकेट निकाल कर ब्रॉड ने अपने विकेटों की संख्या 493 पहुंचा दी है। ब्रॉड ने 10 ओवर में मात्र 17 रन देकर दो विकेट झटके हैं। उनके जोड़ीदार एंडरसन ने 11 ओवर में 17 रन पर दो विकेट निकाले हैं। ब्रॉड और एंडरसन की जोड़ी एक साथ मिलकर खेलते हुए अब तक 1082 विकेट चटका चुकी है। वेस्ट इंडीज के बल्लेबाजों ने सुबह के सत्र में अपने गेंदबाजों की मेहनत पर अगले दो सत्रों में पानी फेर दिया। विंडीज ने चायकाल तक अपने तीन विकेट मात्र 59 रन पर खो दिए थे। ब्रॉड ने क्रैग ब्रेथवेट को एक रन पर , जोफ्रा आर्चर ने जान कैम्पबेल को 32 रन पर और जेम्स एंडरसन ने शाई हॉप को 17 रन पर आउट किया। चायकाल के समय शामरह ब्रुक्स चार और रोस्टन चेज खाता खोले बिना क्रीज पर थे।चायकाल के बाद एंडरसन ने ब्रुक्स को चार रन पर पवेलियन भेज दिया। ब्रॉड ने चेज को नौ रन पर पगबाधा कर दिया जबकि वोक्स ने जर्मेन ब्लैकवुड को 26 रन पर बोल्ड कर विंडीज का स्कोर छह विकेट पर 110 रन कर दिया। होल्डर और डावरिच ने सातवें विकेट के लिए अविजित 27 रन जोड़कर स्थिति को कुछ हद तक संभाला। खराब रोशनी के कारण दिन का खेल निर्धारित समय से पहले समाप्त करना पड़ा। इससे पहले सुबह इंग्लैंड ने चार विकेट पर 258 रन से आगे खेलना शुरू किया और पहले सत्र में 111 रन जोड़कर शेष छह विकेट गंवाए। इसमें ब्रॉड का योगदान 62 रन का रहा जिन्होंने 45 गेंदों की अपनी पारी में नौ चौके और एक छक्का लगाया। ब्रॉड ने अपना अर्धशतक मात्र 33 गेंदों में पूरा किया।वेस्ट इंडीज ने पहले दिन के मुकाबले दूसरे दिन के पहले सत्र में शानदार गेंदबाजी की और इंग्लैंड को 369 रन पर रोक दिया। तेज गेंदबाज केमार रोच ने 72 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए और अपना तीसरा विकेट लेते ही उन्होंने अपने 59वें टेस्ट में 200 विकेट पूरे कर लिए। शैनन गैब्रियल ने 77 रन पर दो विकेट, रोस्टन चेज ने 36 रन पर दो विकेट और कप्तान जैसन होल्डर ने 83 रन पर एक विकेट लिया जबकि 145 किलो वजनी ऑफ स्पिनर रहकीम कॉर्नवाल को 27 ओवर में 85 रन देकर कोई विकेट नहीं मिला।

बेन स्टोक्स को लेकर गंभीर का बड़ा बयान, कहा- विश्व में कोई भी उसके करीब नहीं

नई दिल्ली । भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा कि विश्व क्रिकेट में कोई भी खिलाड़ी इंग्लैंड के हरफनमौला बेन स्टोक्स के करीब नहीं है। इंग्लैंड को विश्व चैम्पियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले स्टोक्स ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में 176 रन की शानदार पारी खेल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने इस टेस्ट श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों में 313 रन बनाने के साथ नौ विकेट भी लिए हैं। गंभीर ने कहा, 'आप इस समय किसी भारतीय क्रिकेटर से बेन स्टोक्स की तुलना नहीं कर सकते हैं। बिल्कुल भी नहीं, क्योंकि बेन स्टोक्स शानदार लय में हैं। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड' में कहा, 'उन्होंने टेस्ट क्रिकेट, एक दिवसीय क्रिकेट और टी20 क्रिकेट में जैसा प्रदर्शन किया है वैसा उनके आस-पास कोई भी नहीं है। इसलिए अगर आप उनके करियर पर नजर डालेंगे तो उन्होंने अपनी छाप हर जगह छोड़ी है, इस समय विश्व क्रिकेट में उनके करीब कोई भी नहीं है। इस 38 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि स्टोक्स ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें कोई भी कप्तान अपनी टीम में रखना चाहेगा। भारत के लिए 58 टेस्ट खेलने वाले गंभीर ने कहा, 'वह मैच में प्रभाव छोड़ने वाले ऐसे खिलाड़ी हैं जिसकी जरूरत हर टीम को होती है। किसी भी कप्तान का सपना होगा कि उसकी टीम में स्टोक्स की तरह का खिलाड़ी हो। उनकी बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण सब कुछ शानदार है। नियमित कप्तान जो रूट की गैरमौजूदगी में स्टोक्स के नेतृत्व में इंग्लैंड को पहले टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था। स्टोक्स के नेतृत्व गुणों के बारे में बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'वह अपनी क्षमता के हिसाब से एक कप्तान ही है। आपको कप्तान होने के लिए कप्तान कहलाने की आवश्यकता नहीं है। आप अपने प्रदर्शन से नेतृत्व करने वाला बन सकते हैं।

ब्रैड हॉग ने की भविष्यवाणी, कहा- 2 टीमें जीत सकती हैं आईपीएल 2020 का खिताब

स्पोर्ट्स डेस्क । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के चेयरमैन बृजेश पटेल ने शुक्रवार को आईपीएल 2020 के 19 सितम्बर से 8 नवम्बर तक यूएई में होनी की पुष्टि की है। इस पर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रैड हॉग ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि इस बार मुंबई इंडियंस एक बार फिर खिताब जीत सकती है। इसी के साथ ही उन्होंने विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु को भी खिताब का प्रबल दावेदार माना है। हॉग ने यूट्यूब चैनल पर इस बारे में भविष्यवाणी करते हुए कहा कि मुंबई इंडियंस फिर से विजेता बन सकती है। मुंबई इंडियंस इस साल यूएई में आईपीएल की शीर्ष दो टीमों में से एक है। इसका कारण यह है कि उनके पास बेहतरीन शीर्ष चार खिलाड़ी हैं, उनके पास अच्छे ऑलराउंडर भी हैं और नई गेंद के साथ उनका गेंदबाजी आक्रमण दो प्रतिभाओं के नेतृत्व में स्थिर है, और डेथ ओवरों में जसप्रीत बुमराह और लसिथ मलिंगा हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ने कहा कि दूसरी टीम जो मुझे लगता है कि खिताब जीत सकती है वह आरसीबी है। हॉग ने कहा, उनके पास इस साल आईपीएल का खिताब जीतने का बड़ा मौका होगा। उनके पास हर बार अच्छा स्टॉक था, लेकिन वे कभी भी खिताब नहीं जीत पाए। अब, शीर्ष पर आरोन फिंच को शामिल करने के साथ, वह पावरप्ले के ओवरों में हावी हो सकेंगे, कुछ तेज रन बना सकेगा और मध्य क्रम में एबी डिविलियर्स और विराट कोहली के दबाव से राहत मिलेगी। इसी के साथ ही उन्होंने कहा कि डेल स्टेन और केन रिचर्डसन के साथ आरसीबी का गेंदबाजी अटैक भी मजबूत है। उनके पास पिछले कुछ वर्षों की तुलना में बेहतर खिलाड़ियों का संतुलन है। हॉग ने आगे कहा कि उनके पास टूर्नामेंट में जाने की बेहतर रणनीति होगी।

हरियाणा करेगा चौथे खेलो इंडिया युवा खेलों की मेजबानी

नई दिल्ली । भारत में खेलों की ताकत समझे जाने वाला हरियाणा खेलो इंडिया युवा खेलों के चौथे संस्करण की मेजबानी 2021 में करेगा। इन खेलों का आयोजन हरियाणा के पंचकूला में होगा।केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को यह घोषणा की। रिजिजू और खट्टर ने कहा कि हरियाणा चौथे खेलो इंडिया युवा खेलों की मेजबानी करेगा और इनका आयोजन अगले साल टोक्यो ओलम्पिक के बाद होगा।ये खेल हरियाणा के पंचकूला में होंगे। यह घोषणा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये की गयी। इस अवसर पर हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह, खेल सचिव रवि मित्तल और भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक संदीप प्रधान मौजूद थे। पहले खेलो इंडिया युवा खेलों का आयोजन 2018 में दिल्ली में हुआ था जबकि दूसरे खेलो इंडिया युवा खेलों का आयोजन 2019 में महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। तीसरे खेलो इंडिया युवा खेलों का आयोजन 2020 में जनवरी में असम के गुवाहाटी में हुआ था। हरियाणा पहले खेलों में चैंपियन रहा था जबकि दूसरे और तीसरे खेलों में उसे दूसरा स्थान मिला था। अब तक इन खेलों का आयोजन साल के शुरू में जनवरी-फरवरी में होता आया था लेकिन कोरोना के कारण अगले वर्ष इनका आयोजन टोक्यो ओलम्पिक के बाद निर्धारित किया गया है। रिजिजू ने कहा कि खेलो इंडिया युवा खेलों के चौथे संस्करण की मेजबानी हरियाणा के करने को लेकर कहा, ''मैं यह घोषणा करते हुए बहुत खुश हूं कि हरियाणा खेलो इंडिया युवा खेलों के चौथे संस्करण का मेजबान राज्य होगा। हमारे प्रधानमंत्री की सोच पर आधारित खेलो इंडिया गेम्स देश भर में जमीन से जुड़ी प्रतिभा की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह खेल का महाकुंभ है। रिजिजू ने कहा, आमतौर पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स हर वर्ष जनवरी में होता है लेकिन इस बार महामारी के कारण हम जनवरी में इसके आयोजन को स्थगित करने जा रहे हैं। मैं आश्वस्त हूं कि जब तक हम खेलो इंडिया युवा खेलों की मेजबानी करेंगे तब तक महामारी समाप्त हो चुकी होगी और हम पहले की तरह ही इसमें सभी राज्यों और 10,000 से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी के साथ बड़े स्तर पर इसकी मेजबानी करने में सक्षम होंगे।

रिजिजू ने कहा, हरियाणा में पहले से ही मजबूत खेल संस्कृति है और इसने देश को बेहतरीन एथलीट दिये हैं। मैं आश्वस्त हूं कि हरियाणा में खेलो इंडिया युवा खेलों की मेजबानी करने से हरियाणा के अधिक से अधिक आकांक्षी एथलीट खेल में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित होंगे। खट्टर ने घोषणा के दौरान कहा, एक राज्य के रूप में हरियाणा ने हमेशा खेलों को बढ़े स्तर पर बढ़ावा दिया है और अपने एथलीट का समर्थन किया है। हरियाणा में खेलो इंडिया युवा खेलों के आयोजन से खेल का एक मजबूत वातावरण तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता को और बल मिलेगा। हरियाणा ने खेलो इंडिया युवा खेलों के पिछले संस्करणों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और हमारे कई एथलीट खेलो इंडिया योजना के तहत पहले से ही प्रशिक्षण ले रहे हैं। हरियाणा ने 2020 संस्करण में कुल 200 पदक, 2019 में कुल 178 पदक और 2018 के पहले संस्करण में 38 स्वर्ण सहित 102 पदक जीते थे। हरियाणा ने देश को कई दिग्गज खिलाड़ी दिए हैं जिसमें पहलवान योगेश्वर दत्त, बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट, पैरा-एथलीट दीपा मलिक, एथलीट नीरज चोपड़ा, मुक्केबाज अमित पंघल और निशानेबाज संजीव राजपूत, मनु भाकर, अनीश भनवाला शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोहली की फिटनेस पर पाकिस्तानी कोच बोले- हमारे खिलाड़ी भी किसी से कम नहीं

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के साथ फिटनेस को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। हाल ही में उनकी फिटनेस को लेकर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा कोच वकार युनुस ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि फिटनेस के मामले में पाकिस्तान कोहली को कॉपी नहीं करेगा। पाकिस्तान के खिलाड़ी किसी से भी कम नहीं हैं और वह खुद अपने स्टैंडर्ड्स निर्धारित करेंगे। वकार युनुस ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि यहां बहुत सारे क्रिकेटर्स हैं जो फिट हैं। क्रिकेट के तीन प्रारुप हैं और जब आप तीनों में खेलते हैं तो फिटनेस बना कर रखी पड़ती है। वह (विराट) अपने देश के टॉप एथलीट्स में से एक हैं। लेकिन हमारे लड़के भी पीछे नहीं हैं। उन्होंने बाबर आजम का उदाहरण देते हुए कहा कि वह बहुत फिट है। वह अच्छा कर रहा है। शाहिन शाह अफरीदी भी सुपर फिट है। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने कहा, हम किसी को कॉपी ना करते हुए अपने मानक खुद सेट करेंगे। हम उस बार को सेट करेंगे जो पाकिस्तान क्रिकेट को सूट करता है और टीम को आगे ले जाएगा। गौर हो कि पाकिस्तान को इंग्लैंड के साथ टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल सीरीज खेलनी है जिसके लिए वह इंग्लैंड पहुंच चुके हैं।

तेजतर्रार अर्धशतकीय पारी के बाद ब्रॉड बोले- कोच की सलाह पर इस महान खिलाड़ी का स्टांस अपनाया

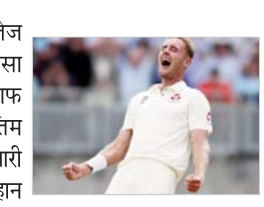

मैनचेस्टर । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने खुलासा किया है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां चल रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट में 62 रन की ताबड़तोड़ पारी के दौरान वह ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वार्न के बल्लेबाजी स्टांस (क्रीज पर बल्लेबाज के खड़ा होने का तरीका) की तरह खेले थे। उन्होंने कहा, 'काफी गैरपारंपरिक, मैदान के विभिन्न हिस्सों में शॉट खेलना, मैंने इसे देखा, वह ऐसा कैसे करता है इस पर थोड़ा रिसर्च किया और फैसला किया कि यह मेरे लिए इसे आजमाने के लिए अच्छा दिन है। ब्रॉड उस समय बल्लेबाजी के लिए उतरे जब इंग्लैंड की टीम 280 रन पर आठ विकेट गंवा चुकी थी लेकिन उनकी पारी से अपनी स्थिति बेहद मजबूत करने में सफल रही। उन्होंने कहा, 'बल्लेबाजी काफी अजीब चीज है। सुबह अगर आप मुझे कहते कि मैं 10 रन बनाऊंगा तो काफी खुश होता और फिर आपने 60 रन बनाए और निराश हो गए कि 70 रन नहीं बना पाए। ब्रॉड को साउथम्पटन में पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम में जगह नहीं मिली थी जिसे वेस्टइंडीज ने जीता था। उन्होंने दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम में वापसी की और टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर का बड़ा बयान, आईपीएल 2020 में हार्दिक पांड्या हासिल करेगा खास उपलब्धि

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अब पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और आईपीएल में खेलते नजर आएंगे। आईपीएल फ्रेंचाइजी टीम मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले हार्दिक को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रैड हॉग ने कहा है कि इस साल युएई में होने वाले आईपीएल 2020 में हार्दिक मैन ऑफ द टूर्नामेंट बनेगा। उन्होंने कहा कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इंजरी के कारण लम्बे समय बाद क्रिकेट में वापसी कर रहा है। इसी के साथ ही वह पिता भी बनने वाला है। मुझे लगता है कि इन चीजों से उसे अतिरिक्त ऊर्जा मिलेगी और वह यूएई में मैन ऑफ द टूर्नामेंट बन जाएगा। पांड्या की आईपीएल में औसत 29 की है और उसने 32 की औसत से 42 विकेट्स भी चटकाए हैं। वह आईपीएल की सबसे सफल टीम मुंबई इंडियंस का महत्वपूर्ण खिलाड़ी है जोकि चार बार खिताब जीत चुकी है। गौर हो कि शुक्रवार को आईपीएल के चेयरमैन बृजेश पटेल ने पुष्टि की थी कि आईपीएल 2020 यूनाइटेड अरब अमीरात में होगा। ये टी20 टूर्नामेंट 19 सितम्बर से शुरू होगा जबकि फाइनल मुकाबला 8 नवम्बर को खेला जाएगा।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने सार्वजनिक की नस्लभेद से निपटने वाली योजनाए

जोहानसबर्ग । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने देश में क्रिकेट में नस्लभेद से निपटने के लिए कदम बढ़ाते हुये अपनी योजनाओं को सार्वजनिक किया है। सीएसए की परिवर्तन समिति ने क्रिकेट फॉर सोशल जस्टिस एंड नेशन बिल्डिंग (एसजेएन) नाम की दीर्घकालिक प्रतिक्रिया रणनीति योजना की घोषणा की है। सीएसए ने योजना के बारे में कहा, क्रिकेट प्रशंसक, दक्षिण अफ्रीकी लोग और हितधारक समूहों की अस्वीकृति या नाराजगी को अनदेखा नहीं किया जा सकता। वेस्टइंडीज के क्रिकेटर डैरेन सैमी ने आरोप लगाया था कि भारत में आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद के ड्रेसिंग रूम में उन्हें नस्लभेद का शिकार होना पड़ा था और एक 'अपमानजनक ' उपनाम दिया गया था। इस आरोप के बाद से नस्लभेद के खिलाफ आंदोलन 'ब्लैक लाइव्स मैटर' क्रिकेट का एक हिस्सा बन गया।इसके बाद क्रिकेट में इस आंदोलन को उस समय और बल मिला जब दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर लुंगी एनगिडी ने एक संवाददाता सम्मेलन में क्रिकेट में नस्लभेद का मुद्दा उठाया और देश में क्रिकेट समुदाय से नस्लभेद के खिलाफ खड़ा होने का आह्वान किया। इसके तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका के 36 मुख्य खिलाड़ी और कोच ने एनगिदी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।सीएसए क्रिकेट में नस्लभेद के खिलाफ शिकायतों के निपटारे के लिए शिकायत जांच अधिकारी (ओम्बड्समैन) का कार्यालय स्थापित करेगा। सीएसए का लक्ष्य अगस्त तक शिकायत जांच अधिकारी की नियुक्ति कर देना है। सीएसए बोर्ड के स्वतंत्र निदेशक एवं परिवर्तन अध्यक्ष डॉ यूजेनिया कुला-अमेयाव को शिकायत जांच अधिकारी की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी करने का कार्य सौंपा गया है।कुला-अमेयाव ने कहा, हमारे जीवन में परिवर्तन की आवश्यकताएं होती रहती है और एक बोर्ड के रूप में हमें इस कार्य को करने की जरूरत है। हमारे पूर्व खिलाड़ियों के विचारों को सुनने के बाद परिवर्तन अध्यक्ष के रूप में मेरा उद्देश्य समाधान के साथ सामने आना है। उन्होंने कहा, मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं कि बोर्ड ने इस पहल का समर्थन किया है।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट सुपरस्टार पेरी की शादी टूटी, 5 साल बाद लिया अलग होने का फैसला

स्पोर्ट्स डेस्क । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट सुपरस्टार एलिसा पेरी और ऑस्ट्रेलियाई रग्बी युनियन प्लेयर मैट टोमुआ 5 साल तक एक दूसरे के साथ रहने के बाद अलग हो गए हैं। दोनों के इस साल फरवरी में अलग होने की जानकारी उस समय सामने आई थी जब पेरी बिना वेडिंग रिंग के मैलबर्न ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट अवार्ड में नजर आई थी। अब दोनों ने खुद आधिकारिक जानकारी देते हुए इस रिश्ते के खत्म होने की बात कही है। एलिसा पेरी और टोमुआ ने संयुक्त बयान में कहा कि दोनों के दिल में एक दूसरे के लिए बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि शादी के लगभग 5 साल बाद इस साल की शुरुआत में अलग होने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि हमें लगा कि यह सही तरीका है और एक-दूसरे तथा हमारे वर्तमान जीवन के सर्वोत्तम हित में है। यह एक ऐसी चीज है जो विकसित हुई है और एक पारस्परिक निर्णय है। दोनों ने कहा कि हमारे पूरे रिश्ते में हम निजी बने हुए हैं और हम पूछते हैं कि हम दोनों के लिए इस कठिन समय के दौरान हमारे अंतरिक्ष और गोपनीयता का सम्मान किया जाता है। गौर हो कि पेरी और मैट पहली बार साल 2013 में एक कपल के तौर पर चर्चा में आए थे। दोनों जॉन एल्स मेडल अवॉर्ड में साथ नजर आए थे। इसके बाद दोनों ने साल 2015 में शादी कर ली थी।

इंटरनेशनल शतरंज

बेल क्लासिक 2020 - हरिकृष्णा संयुक्त बढ़त पर पहुंचे

इंटरनेशनल शतरंज । बेल ,स्विट्जरलैंड (निकलेश जैन) मे चल रहे बेल इंटरनेशनल शतरंज फेस्टिवल मे 960 और रैपिड के बाद क्लासिकल टूर्नामेंट मे भी भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें शानदार प्रदर्शन करते हुए संयुक्त पहला स्थान हासिल कर लिया है । क्लासिकल फॉर्मेट मे अब तक हुए चार मुकाबलो में हरिकृष्णा नें पहले तीन मुकाबले इंग्लैंड के माइकल एड्म्स , अजरबैजान के आर्कडीज् नाइडिश और मेजबान स्विट्जरलैंड के नोएल स्टुडेर से ड्रॉ खेले जबकि चौथे मुकाबले में उन्होने सबसे आगे चल रहे जर्मनी के युवा खिलाड़ी विन्सेंट कमर को मात देते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की । स्फेद मोहरो से खेलते हुए सेमी स्लाव ओपनिंग मे हरिकृष्णा नें ओपनिंग में ही अपना घोडा कुर्बान करते हुए केमर के तीन प्यादे मार लिए और उसके बाद हरिकृष्णा नें जहां सधी हुई चाले खेली तो केमर अपने मोहरो के बीच सही तालमेल नहीं बैठा सके मात्र 37 चालों में उन्होने हार स्वीकार कर ली । अगले राउंड में पेंटाला हरिकृष्णा उनके साथ संयुक्त बढ़त पर चल रहे पोलैंड के राडोस्ला वोज्टस्ज़ेक से मुकाबला खेलेंगे । टूर्नामेंट में चूकी पॉइंट सिस्टम अलग तरह का रखा गया है इसीलिए जीतने पर 4 अंक तो ड्रॉ पर 1.5 अंक दिये जा रहे है और इस प्रकार से 4 राउंड के बाद हरिकृष्णा इंग्लैंड के माइकल एड्म्स और पोलैंड के राडोस्ला वोज्टस्ज़ेक के साथ 8.5 अंक बनाकर संयुक्त बढ़त पर है ।

डेब्यू मैच में धोनी के मुंह से ये बात सुनकर हैरान रह गए थे बिन्नी, 6 साल बाद किया खुलासा

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय ऑलराउंडर स्टुअर्ट बिन्नी ने हाल ही में अपने टेस्ट में डेब्यू का एक किस्सा साझा किया है। उस समय महान विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी टीम के कप्तान थे। बिन्नी ने बताया कि धोनी ने डेब्यू मैच में उन्हें 4-5 घंटे खेलने के लिए कहा था और वह उनसे ये बात सुनकर हैरान रह गए थे। बिन्नी ने एक न्यूज वेबसाइट से बातचीत के दौरान कहा, माही भाई से टेस्ट कैप मिलना मेरे जीवन का सबसे विशेष दिन था। उन्होंने कहा, हम आखिरी दिन मुश्किल में थे। मैंने पहली पारी में 1 रन बनाए थे। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने से पहले मैं रात को सो नहीं पाया था। उस समय माही भाई ने मुझसे कहा, तुम्हें टेस्ट मैच बचाने के लिए 4-5 घंटे तक बल्लेबाजी करनी होगी। मुझे यह विश्वास नहीं हुआ कि वो ऐसा कह रहे थे क्योंकि मैं उस समय नर्वस था और अच्छे से कुछ सोच नहीं पा रहा था। बिन्नी ने कहा, जब तक मैंने 10 रन नहीं बना लिए तब तक सही से नहीं जम पाया। लेकिन इसके बाद मेरे में आत्मविश्वास जागा और मैं रन बनाने लगा। मैंने लगभग 2 घंटे तक बल्लेबाजी की थी। उन्होंने कहा कि मैं डेब्यू मैच में शतक लगाना चाहता था,लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। गौर हो कि बिन्नी ने 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेला था। नॉटिंघम में बिन्नी मुकाबले की 78 रन की पारी काफी प्रभावशाली साबित हुई थी और भारत मैच बचाने में सफल रहा था। हालांकि वह पहली पारी में 1 रन पर आउट हो गए थे लेकिन दूसरी पारी में 8वें विकेट के लिए बिन्नी (75 रन) ने भुवनेश्वर कुमार के साथ 91 रनों की साझेदारी की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रिटेन ने स्पेन को सुरक्षित देशों की सूची से हटाया

लंदन। ब्रिटेन ने लोगों को स्पेन की यात्रा न करने की सलाह दी है और कोविड-19 के मामले बढ़ने के बाद स्पेन को यात्रा के लिहाज से सुरक्षित देशों की सूची से हटा दिया है। परिवहन विभाग ने शनिवार देर शाम एक बयान जारी कर चेतावनी दी कि स्पेन में छुट्टियां बिताकर लौट रहे व्यक्तियों को खुद को पृथक-वास में रखना होगा। विभाग ने एक बयान में कहा, ''संक्रमित मामलों के स्तर पर पिछले हफ्ते से लेकर अब तक हुए बदलाव के बाद स्पेन को उन देशों की सूची से हटा दिया गया है जहां से ब्रिटेन पहुंचने पर लोगों को खुद को पृथक करने की आवश्यकता नहीं होती थी। पहले से ही स्पेन में छुट्टियां मना रहे लोगों से अपने देश लौटने का अनुरोध किया जा रहा है। स्पेन में पिछले दो दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 900 से अधिक नए मामले सामने आए है। अधिकारियों ने आगाह किया है कि देश में संक्रमण के प्रकोप का दूसरा दौर शुरू हो सकता है। स्पेन में इस वैश्विक महामारी से 28,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार ने कहा, ''जन स्वास्थ्य की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और हमें ब्रिटेन में किसी संभावित प्रसार को रोकने के लिए यह फैसला लेना पड़ा। ब्रिटेन यूरोप में कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित देश है। यहां इस संक्रामक रोग ने 45,800 से अधिक लोगों की जान ले ली है।

उ. कोरिया में कोरोना की दस्तक; किम बोले-“देश में घुस आया क्रूर वायरस, किया आपातकाल घोषित

योंगप्यांग। कोरोना वायरस मुक्त होने का दावा करने वाले देश उत्तर कोरिया में भी महामारी ने दस्तक दे दी है। उ.कोरिया में पहला मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। उ.कोरिया के सनकी नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरियाई सीमा के पास केसोंग शहर में पूरी तरह से लॉकडाउन लागू करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि ''यह क्रूर वायरस देश में घुस गया है। सरकारी मीडिया ने रविवार को बताया कि एक व्यक्ति में कोविड-19 के संदिग्ध लक्षण पाए गए हैं। अगर इस व्यक्ति को आधिकारिक रूप से संक्रमित घोषित किया जाता है तो यह उत्तर कोरिया में कोरोना वायरस का पहला पुष्ट मामला होगा। दरअसल उत्तर कोरिया लगातार यह कहता रहा है कि उसके देश में संक्रमण का एक भी मामला नहीं है। हालांकि विदेशी विशेषज्ञ उसके इस दावे पर सवाल उठाते रहे हैं। 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि लॉकडाउन की घोषणा शुक्रवार दोपहर को की गई। यह संदिग्ध मामला ऐसे शख्स का है जो बरसों पहले दक्षिण कोरिया भाग गया था और गत सप्ताह गैरकानूनी रूप से सीमा पार कर उत्तर कोरिया में घुसा। केसीएनए ने बताया कि जांच से पता चलता है कि यह व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकता है। उसने बताया कि संदिग्ध मरीज और पिछले पांच दिनों में केसोंग में उसके संपर्क में आए लोगों को पृथक-वास में रखा गया है। वायरस विरोधी प्रयासों को ''राष्ट्रीय अस्तित्व का मामला बताते हुए उत्तर कोरिया ने इस साल की शुरुआत में सभी सीमाओं को बंद कर दिया था, विदेशी पर्यटकों पर पाबंदी लगा दी थी और स्वास्थ्य कर्मियों से किसी भी व्यक्ति में संक्रमण के लक्षण पाए जाने पर उसे पृथक-वास में रखने को कहा गया था। बहरहाल केसोंग में लगाया गया लॉकडाउन देश में पहला ऐसा कदम है जो इस संक्रमण को रोकने के लिए उठाया गया है। विदेशी विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया में कोरोना वायरस फैलने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं, क्योंकि उसकी स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत जर्जर है और उसके पास चिकित्सा सामान का अभाव है।

बुज़ुर्ग ने जीती 165 करोड़ की लॉटरी, फिर 28 साल पहले दोस्त से किया वादा निभाया

वॉशिंगटन। दो दोस्तों की फ्रेंडशिप की अनोखी मिसाल इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। ये दोस्त अब बूढ़े हो चुके हैं। इन बुजुर्ग दोस्तों की दोस्ती के बारे में जानने के बाद लोग कहने को मजबूर हो रहे हैं कि दोस्ती या पैसा ! मामला अमेरिका के विस्कॉन्सिन का है, जहां दो दोस्तों ने बरसों पहले एक-दूसरे से अनोखा वादा किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, टॉम कुक और जोसेफ फेनी ने साल 1992 में हैंडशेक कर एक-दूसरे से प्रॉमिस किया था कि अगर दोनों में से कोई भी, कभी भी लॉटरी जीतता है तो दोनों वो पैसा आपस में बराबर बांट लेंगे। दोनों का यह वादा करीब 28 साल बाद पूरा हुआ। दरअसल, बीते महीने कुक के लॉटरी टिकट को 22 मिलियन डॉलर (भारतीय करंसी में करीब 165 करोड़ रुपए) का जैकपॉट लगा, जिसके तुरंत बाद उन्होंने दोस्त फेनी को कॉल किया और प्रॉमिस के मुताबिक उसे जैकपॉट की आधी रकम देने की बात कही। टॉम की बात सुनकर शुरुआत में फेनी को यकीन नहीं हुआ। वह हैरानी में बोले मजाक कर रहे ना ब्रो जिस पर टॉम ने कहा वादा तो वादा होता है यार इस बात ने फेनी को भावुक कर दिया। टॉम ने रिटायरमेंट ले लिया है। जबकि फेनी पहले से रिटायर्ड थे। टॉम ने कहा अब हम मन की कर सकेंगे। रिटायरमेंट का इससे अच्छा टाइम नहीं हो सकता।

ऑनलाइन पोर्टल अमेजन, गूगल, विश ने नियो-नाजी उत्पादों को हटाया

वाशिंगटन। अमेजन, गूगल और विश ने शनिवार को सभी नियो-नाजी और श्वेत वर्चस्व दिखाने वाले उत्पादों को अपने प्लेटफॉर्म से हटाने की घोषणा की है। इन प्लेटफार्मों पर श्वेत-वर्चस्ववादी झंडे, नियो-नाजी किताबें और कू क्लक्स क्लान माल बिक्री के लिए उपलब्ध थे। इन तीनों कंपनियों ने बीबीसी को बताया कि नस्लवादी उत्पादों को उनके प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया है। नस्लवाद रोधी संस्था एंटी डिफेमेशन लीग (एडीएल) के ओरेन सेगल ने बताया कि कंपनियों एल्गोरिदम के हिसाब से लगातार शीर्ष पर बने रहने का प्रयास करती हैं। डेमोस के मुताबिक इस तरह के ऑनलाइन एल्गोरिदम दुकानदारों और लोगो को घृणित जानकारियों की तरफ ध्यान दिला रहे हैं। एलजीबीटी समुदाय के उपयोग में आने वाले कुछ उत्पाद भी अमेजन पर पाये गये जिन्हें कंपनी ने अपने पोटर्ल से हटा दिया है। बुगालू अमेरिका में दूरदराज लिब्रेटेरियन ग्रुप है, खुद को समूह से जुड़ा होने का दावा करने वाले लोगों पर आतंकवाद और अमेरिका में हत्या का आरोप लगा है। इस समूह की सामग्री को भी तीनो प्लेटफॉर्म्स से हटा दिया गया है। गूगल ने भी गूगल बुक और गूगल प्ले स्टोर से ऐसे आपत्तिजनक सामग्री हटा दी है।

तालाब में डूबी कार से मिले महिला और उसके 10 माह के जुडवां बच्चों के शव

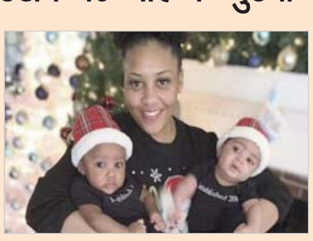

लॉस एंजलिस। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में अधिकारियों ने एक तालाब में डूबी कार को बाहर निकाला और उसमें से एक महिला तथा उसके 10 माह के जुड़वां बच्चों के शव बरामद किए। 'द ऑगस्टा क्रॉनिकल ने खबर प्रकाशित की कि रिचमॉन्ड काउंटी शेरिफ के कार्यालय के अनुसार अधिकारियों ने शुक्वार दोपहर को ऑगस्टा के मेयर्स तालाब में कार बरामद की। रिचमॉन्ड काउंटी के कोरोनर मार्क बोवेन ने कहा कि तीनों लोगों को घटनास्थल पर मृत घोषित कर दिया गया।अधिकारियों ने मृतकों की पहचान 25 वर्षीय शैकिया फिलपॉट और उसके बच्चों केसेन तथा कैसियस विलियम्स के रूप में की है। अधिकारियों ने अभी यह जानकारी नहीं दी कि यह कार तालाब में कैसे डूबी। बोवेन ने बताया कि इलाके में मछली पकड़ रहे एक व्यक्ति ने यह कार देखी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की तफ्तीश की जा रही है।

टेक्सास पहुंचा विकराल अटलांटिक तूफान, बवंडर और बाढ़ की चेतावनी

न्यूयार्क। कोरोना वायरस संक्रमण के लगातार बढ़ रहे मामलों से जूझ रहे टेक्सास में शनिवार को खाड़ी तट पर हन्ना तूफान के पहुंचने से वहां भारी बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं। इस तूफान के और विकराल रूप धारण करने के कारण बवंडर उठने की आशंका है। 2020 अटलांटिक तूफानी सत्र का पहला तूफान शनिवार को एक घंटे से भी कम समय में श्रेणी एक के तूफान के रूप में दो बार आया। सबसे पहले तूफान कॉर्प्स क्रिस्टी से दक्षिण में करीब 130 मील दूर पोर्ट मैन्सफील्ड के उत्तर में करीब 15 मील पर शाम करीब पांच बजे आया। इसके बाद यह पोर्ट मैन्सफील्ड के उत्तर-पश्चिमोत्तर में करीब 15 मील दूर पूर्वी केनेडी काउंटी में शाम करीब सवा छह बजे आया। टेक्सास हालिया सप्ताहों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी की समस्या से पहले ही जूझ रहा है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने तूफान से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। ब्राउन्सविले में राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम वैज्ञानिक क्रिस बिर्चफील्ड ने कहा कि निवासियों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। हालांकि शनिवार रात तक हन्ना तूफान के कमजोर होने की उम्मीद है, लेकिन तूफान के कारण भारी बारिश की आशंका है।

उन्होंने कहा कि इस तूफान से भीषण बाढ़ की भी आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हन्ना के कारण रविवार रात भर में 15 से 30 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। वहीं कुछ स्थानों पर 46 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। इसके अलावा समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठने की आशंका है जिससे मौजूदा स्थितियां बिगड़ सकती हैं। दक्षिण टेक्सास में कुछ स्थानों पर 23 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। बारिश के रविवार तक जारी रहने की संभावना है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्वीट किया कि उनका प्रशासन डगलस तूफान के साथ ही हन्ना तूफान पर भी नजर रख रहा है। डगलस तूफान प्रशांत महासागर में हवाई की ओर बढ़ रहा है। कॉर्प्स क्रिस्टी तट के निकट रहने वाली शेरी बोएहमी (67) ने कहा कि वह महामारी के कारण पहले से चिंतित थीं और तूफान ने उनकी चिंता और बढ़ा दी है। हन्ना से करीब तीन साल पहले हार्वे तूफान ने यहां तबाही मचाई थी। हार्वे के कारण 68 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 125 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। हन्ना के हार्वे की तरह भीषण होने की आशंका नहीं है। 'एईपी टेक्सास के अनुसार दक्षिणी टेक्सास में शनिवार शाम से बिजली ठप है।

अमेरिका-आस्ट्रेलिया की चीन को वार्निंग -बीजिंग की संपत्ति नहीं द.चीन सागर, बंद करे दादागिरी

इंटरनेशनल डेस्क। चीन को सबक सिखाने के लिए दुनिया की कई महाशक्तियां अब एकजुट हो रही हैं। भारत और जापान के बाद अब अस्ट्रेलिया ने अमेरिका के सुर में सुर मिलाते चीन को खरी-खरी सुनाई है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने चीन को वार्निंग देते हुए कहा है कि दक्षिण चीन सागर बीजिंग की संपत्ति नहीं है और अगर ड्रैगन को छूट दी तो और क्षेत्र पर कब्जा कर लेगा। दक्षिण चीन सागर पर चीन के दावे को खारिज करते हुए अमेरिका ने दो टूक कहा है कि यह बीजिंग की संपत्ति नहीं है। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पॉम्पिओ ने शनिवार को चीन पर करारा वार किया और कहा कि यदि चीन अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करता रहा और स्वतंत्र देशों ने कुछ नहीं किया तो वह और क्षेत्र पर कब्जा कर लेगा। माइक पॉम्पिओ ने कहा, %%अमेरिका की नीति शीशे की तरह साफ है। साउथ चाइना सी चीन की समुद्री संपत्ति नहीं है। यदि बीजिंग अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करता रहा और स्वतंत्र देश कुछ नहीं करेंगे तो इतिहास बताता है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और क्षेत्र पर कब्जा कर लेगी। चाइना सी विवाद का निपटारा अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक हो। उधर, ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका के सुर में सुर मिलाते हुए दक्षिण चीन सागर में चीन के दावों को अवैध करार दिया है। ऑस्ट्रेलिया के इस कदम से चीन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र को भेजे गए पत्र में ऑस्ट्रेलिया के स्थायी मिशन ने महत्वपूर्ण व्यापारिक जल मार्ग में स्थित द्वीपों को लेकर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के दावों को खारिज करते हुए उन्हें असंगत करार दिया। भेजे गए पत्र में कहा गया है कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार चीन के उन दावों को खारिज करती है जो समुद्री कानून को लेकर 1982 के संयुक्त राष्ट्र समझौते (यूएनसीएलओएस) के अनुरूप नहीं हैं, खासकर तटरेखा और समुद्री क्षेत्र संबंधी नियम को नहीं मानने वाले दावों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। पत्र के मुताबिक चीन के पास कोई वैधानिक अधिकार नहीं है कि वह एक सीधी तटरेखा खींचकर दक्षिण चीन सागर के सूदूर स्थित बिंदुओं और द्वीप समूहों को अपने देश से जोड़ ले। बता दें कि दक्षिण चीन सागर तीन द्वीप समूहों में बंटा है। चीन करीब-करीब पूरे दक्षिण चीन सागर को अपना संप्रभु क्षेत्र होने दावा करता है। हाल के सालों में चीन ने अपने इस दावे को लेकर आक्रामक रुख अख्तियार किया है। एक हफ्ते पहले अमेरिका ने भी अधिकारिक तौर पर चीन के दावों को खारिज कर दिया था। अमेरिका ने कहा था कि दक्षिण चीन सागर के क्षेत्रों पर कब्जे को लेकर चीन का दादागीरी दिखाना अन्याय है। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने 13 जुलाई को एक बयान जारी करके अमेरिका के रुख को स्पष्ट किया था। विदेश मंत्री ने कहा था कि चीन सरकार के पास क्षेत्र में अपनी मर्जी थोपने का कोई वैध आधार नहीं है।

तुर्की में फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब को बैन करने वाले विधेयक पर मतदान की तैयारी

इंटरनेशनल डेस्क। तुर्की की संसद एक ऐसे विधेयक पर मतदान करने की तैयारी कर रही है जो प्रभावी रूप से फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब जैसी साइटों को ब्लॉक करेगा। यह बिल अदालतों को 24 घंटे के भीतर तुर्की की समाचार वेबसाइटों को सामग्री हटाने का आदेश देने की भी अनुमति देगा। तुर्की संसद के न्याय आयोग ने शुक्रवार के शुरुआती घंटों में मसौदे को मंजूरी दे दी, जबकि देश एक मस्जिद के रूप में हागिया सोफिया को फिर से खोलने के लिए कमर कस रहा था। बिल को लेकर एक वोट अभी तक अनिर्धारित है, लेकिन राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन के सत्तारूढ़ दल और गठबंधन के साथी के समर्थन के साथ इसके पारित होने की उम्मीद है। इस बिल के अनुसार व्यक्तिगत और गोपनीयता अधिकारों का उल्लंघन करने की शिकायतों के बाद कंपनियों या उनके प्रतिनिधियों को 48 घंटों के भीतर जवाब देना आवश्यक होगा। यदि वे इसका अनुपालन नहीं करते हैं, तो तुर्की के अधिकारी तक की भारी जुर्माना और 90त्न तक की थ्रॉटल साइटों की बैंडविड्थ प्रभावी ढंग से अनुपयोगी बनाने का अधिकार रखेंगे।

आतंकी संगठनों के पाकिस्तानी आकाओं के नाम अब भी काली सूची में नहीं

संयुक्त राष्ट्र। पाकिस्तानी नागरिक भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवेंट- खुरासान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जैसे आतंकवादी संगठनों में नेतृत्व स्तर पर बने हुए हैं और इनमें से कई के नाम अब भी काली सूची में शामिल नहीं किए गए हैं। यह बात संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कही गई है। अल-कायदा और संबद्ध व्यक्तियों एवं संस्थाओं से संबंधित विश्लेषणात्मक सहायता एवं प्रतिबंध निगरानी टीम की 26वीं रिपोर्ट में कहा गया कि अफगान विशेष बलों ने देशव्यापी अभियान चलाए जिससे आईएसआईएल-के का मुखिया असलम फारुकी, उसके पूर्ववर्ती जिया उल हक और अन्य को गिरफ्तार किया था। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा का रहने वाला फारुकी, काबुल के एक प्रमुख गुरुद्वारे पर हुए घातक आतंकवादी हमले का मास्टरमाइंड था जिसमें 25 सिख मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति ने उसका नाम काली सूची में नहीं डाला है। इसी तरह, हक भी एक पाकिस्तानी नागरिक है और वह भी काली सूची में नहीं है। 'भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा तालिबान के तहत अफगानिस्तान के निमरूज, हेलमंद और कंधार प्रांतों से काम करता है और इसका मौजूदा आका पाकिस्तान में जन्मा ओसामा महमूद है जिसे यूएनएससी प्रतिबंधों के तहत सूचीबद्ध नहीं किया गया है। महमूद ने असिम उमर की जगह ली थी। रिपोर्ट में कहा गया कि संगठन में बांग्लादेश, भारत, म्यामां और पाकिस्तान से 150 से 200 के बीच सदस्य हैं और खबरें हैं कि अपने पूर्व आका की मौत का बदला लेने के लिए वह क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई की साजिश रच रहा है। प्रतिबंध निगरानी टीम की रिपोर्ट में कहा गया कि, ''अफगानिस्तान में मौजूद सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान है जिसकी अगुवाई आमिर नूर वली महसूद कर रहा है। टीटीपी सगरना बनने के दो साल से भी ज्यादा वक्त के बाद, यूएनएससी प्रतिबंध समिति ने पाकिस्तानी मूल के महसूद को इस माह वैश्विक आतंकवादी घोषित किया। महसूद का समर्थन उसके साथी कारी अमजद और टीटीपी प्रवक्ता मोहम्मद खुरासानी करते हैं और दोनों का ही नाम यूएनएससी प्रतिबंध समिति में शामिल नहीं है। यह दिखाता है कि पाकिस्तानी नागरिक आतंकवादी संगठनों में नेतृत्व के स्तर पर काम करते हैं और आतंकवादी संगठनों का पाकिस्तानी संबंध है। सदस्य राष्ट्रों के मुताबिक, अल-कायदा 12 अफगान प्रांतों में गुप्त रूप से सक्रिय है और इसका सरगना ऐमन अल-जवाहिरी देश में अड्डा डाले हुए है। निगरानी टीम का अनुमान है कि अफगानिस्तान में अल-कायदा लड़ाकों की कुल संख्या 400 से 600 के बीच है। नेतृत्व का हक्कानी नेटवर्क के साथ करीबी संपर्क है। फरवरी 2020 में, अल-जवाहिरी ने जारी सहयोग पर चर्चा के लिए याहया हक्कानी के साथ मुलाकात की थी ।

संक्षिप्त समाचार

नस्ली हिंसा खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भीड़ में घुसी कार, प्रदर्शनकारी को लगी गोली

वॉशिंगटन। अमेरिका में नस्ली हिंसा के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान औरोरा के देनवेर उपनगर में एक कार लोगों की भीड़ में घुस गई और एक प्रदर्शनकारी गोली लगने से घायल हो गया। औरोरा पुलिस विभाग ने ट्वीट किया कि इंटरस्टेट 225 पर शनिवार को प्रदर्शनकारियों की भीड़ में एक कार घुस गई। पुलिस ने बताया कि इस बीच एक प्रदर्शनकारी ने गोली चलाई, जिससे कम से कम एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत स्थिर है। प्राधिकारियों ने बताया कि वाहन को खींचकर लाया गया और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने अदालत परिसर की खिड़कियां तोड़ दीं और एक कार्यालय में आग लग गई। प्राधिकारियों ने बताया कि भीड़ को गैरकानूनी घोषित करते हुए प्रदर्शनकारियों को इलाके से जाने का आदेश दिया गया। अमेरिका में अफ्रीकी-अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस कार्रवाई में मौत के बाद से देश में नस्ली हिंसा के खिलाफ प्रदर्शन बढ़ गए हैं।

पाकिस्तान में कोविड-19 के 1,226 नये मामले सामने आए

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,226 नये मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 2,73,112 हो गए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 35 मरीजों की मौत होने से मृतक संख्या 5,882 पर पहुंच गई है। मंत्रालय ने कहा कि कुल 1,267 मरीजों की हालत नाजुक बनी हुई है। संक्रमण के कुल मामलों में सबसे अधिक 1,17,598 मामले सिंध में हैं। इसके बाद पंजाब में 91,901, खैबर-पख्तूनख्वा में 33,220, इस्लामाबाद में 14,841, बलोचिस्तान में 11,578, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 2,023 और गिलगित-बाल्तिस्तान में 1,952 मामले हैं। उसने बताया कि देश भर में करीब 2,37,434 लोग बीमारी से स्वस्थ हो चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि अब तक देश में 18,68,180 जांच की गईं, जिनमें से 23,354 नमूनों की पिछले 24 घंटे में जांच हुई।

विश्व भर में कोरोना वायरस के मामले 1.6 करोड़ के पार पहुंचे

वाशिंगटन। दुनिया भर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 1.6 करोड़ के पार पहुंच गए हैं। अमेरिका की जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमण के सबसे अधिक 41 लाख मामले अमेरिका में हैं। इसक बाद 23 लाख मामलों के साथ ब्राजील दूसरे नंबर पर और 13 लाख मामलों के साथ भारत तीसरे नंबर पर है। मृतकों के मामले में भी अमेरिका सबसे ऊपर है, जहां अब तक 1,46,460 लोगों की इस घातक विषाणु से मौत हो चुकी है। इसके बाद ब्राजील में मृतक संख्या 86,449 और ब्रिटेन में 45,823 है। अमेरिका में सबसे अधिक मौत न्यूयॉर्क में हुई है, जहां कोविड-19 से अब तक 32,608 लोगों की जान चली गई है।

पाकिस्तान के वायु सेना प्रमुख ने पीओके के वायुसेना अड्डे का किया दौरा

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी वायु सेना (पीएएफ) के प्रमुख ने शनिवार को पाक के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के एक वायुसेना अड्डे का दौरा किया, जहां उन्होंने विभिन्न संचालन गतिविधियों का जायजा लिया। सरकारी रेडियो पाकिस्तान ने खबर दी कि गिलगित-बाल्टिस्तान के स्कर्दू स्थित कादरी पाकिस्तानी वायुसेना अड्डे के कर्मियों को संबोधित करते हुए वायु सेना प्रमुख मुजाहिद अनवर खान ने कहा कि पीएएफ किसी भी समय विरोधी के दुस्साहस का जवाब देने के लिए तैयार है। खान के हवाले से कहा गया, पाकिस्तानी वायु सेना इस क्षेत्र में भू-रणनीतिक विकास के प्रति पूरी तरह से सजग है और किसी भी समय दुश्मन के आक्रामक रवैये से निपटने को तैयार है।

अफ्रीका में कोविड-19 के मामले 8,00,000 के पार

जोहानिसबर्ग। अफ्रीका में कोविड-19 संक्रमण के मामलों का आंकड़ा 8,00,000 के पार चला गया है। अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने यह जानकारी दी। 54 देशों वाले इस महाद्वीप में कुल संक्रमित मरीजों में आधे दक्षिण अफ्रीका में पाए गए थे लेकिन अब यह संक्रमण केन्या जैसे देशों में फैल रहा है जहां 16,000 से अधिक मामले पाए गए हैं। अफ्रीका में संक्रमण का पहला मामला 14 फरवरी को सामने आया था। गौरतलब है कि दुनिया के अन्य स्थानों की तुलना में कोरोना वायरस का संक्रमण अफ्रीकी महाद्वीप में काफी देर से पहुंचा लेकिन किसी भी अन्य क्षेत्र के मुकाबले अफ्रीका में स्वास्थ्य देखभाल संसाधन बेहद सीमित हैं और व्यवस्था कमजोर है जिससे यहां महामारी को लेकर भय बना हुआ है। अफ्रीकी देशों में स्वास्थ्य व्यवस्था बेहद कमजोर है ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शहादत का अपमान क्यों? 21 साल से ठोकरें खाकर हार चुके कारगिल शहीदों के परिवार

नेशनल डेस्क।

कारगिल युद्ध के दो दशक बीत जाने के बाद आज भी शहीद के परिवार अपने हक और सम्मान के लिये दर दर की ठोकरें खाकर सरकारी तंत्र के आगे हार मान चुके हैं। राजस्थान में झुंझुनू जिले के बासमाना के शहीद हवासिंह का परिवार सरकार द्वारा घोषित सहायता का अब भी इंतजार कर रहा है। सरकार ने पहले ही परिवार को सरकारी निर्णय के मुताबिक सहायता नहीं दी। फिर जो दिया वह भी छीन लिया। शहीद परिवार से उनके जीवन यापन के लिए दी गई सुविधाओं को छीनने वाली यह दास्तां सरकारी तंत्र की हकीकत बयां करती है। बासमाना गांव उस दिन गौरवान्वित हुआ जब यहां का लाडला हवासिंह कारगिल युद्ध में शहीद हो गया। जब हवासिंह का शव तिरंगे में लिपटा हुआ गांव पहुंचा तो सभी की आंखें नम थी। उस समय सरकार ने शहीदों को कई सुविधायें मुहैया कराने की घोषणा की थी। उसमें पेट्रोल पम्प, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी आदि शामिल थीं, लेकिन शहीद की पत्नी मनोज देवी को एमए बीएड तक पढ़ी होने के बाद भी नौकरी नहीं मिली। परिवार के जीवनयापन करने के लिए जो पैट्रोल पंप मिला, उसे कुछ साल बाद ही कंपनी ने धोखे से वापिस ले लिया। अब केवल दफ्तरों के चक्कर लगाने के अलावा परिवार के पास कोई चारा नहीं है। शहीद के परिजन बताते है कि उन्होंने सरकारी तंत्र में अपनी सुविधाओं को दम तोड़ते देखा है। अब वे खुद हारकर बैठ गए है और अब उन्हें उम्मीद भी कम ही है कि उन्हें जो सहायता मिलना थी वह उन्हें मिलेगी। हालांकि पति की शहादत से दो वर्ष पहले सुहागन हुई शहीद वीरांगना को अब भी पति के शहीद होने पर जो सम्मान मिला उस पर उसे अब भी गर्व है। बासमाना फौजियों का गांव भी है। यहां के पूर्व फौजी बाबूलाल ने बताया कि हवा सिंह भी उम्र में छोटा था। लेकिन देश के लिए उसके जज्बात कहीं पर भी छोटे नहीं थे। होनहार था, जिसको शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। कारगिल की लड़ाई में शहीद हुए जिले के सीथल गांव के शहीद हवलदार मनीराम की शहादत को दो दशक से ज्यादा का समय बीत गया, लेकिन अब भी शहादत का सम्मान देने में सरकार कोई ज्यादा चिंतित नजर नहीं आई है। शहीद के दो बेटे नौकरी का इंतजार कर रहे हैं। तो वहीं जिस स्कूल का नामकरण शहीद के नाम से किया गया। वह भी अब बंद हो गया है। सीथल के शहीद हवलदार मनीराम महला वर्ष कारगिल युद्ध के दौरान ऑपरेशन विजय में दुश्मनों से लोहा लेते तीन जुलाई 1999 को शहीद हो गए और शहादत के तीन दिन बाद छह जुलाई 1999 को उनका शव उनके गांव पहुंचा। ग्रामीण बताते है कि 1999 में जब गांव में पहली बार किसी शहीद का शव आया उस वक्त का जो गांव का माहौल था, उसे याद करके आज भी लोग भावुक हो जाते हैं। शहीद परिवारों को सम्मान देने की बातें तो बड़ी बड़ी होती है, लेकिन दो दशक बीत जाने के बाद भी मनीराम के परिवार को अब भी सम्मान नहीं मिला है। जो सम्मान मिला, वह भी वापिस हो चुका है। शहीद वीरांगना मुन्नीदेवी ने बताया कि जब उनके पति शहीद हुए थे तो उन्हें बताया गया था कि उनके बेटों में से एक को सरकारी नौकरी मिलेगी।

सीएम शिवराज ने अस्पताल में सुनी मोदी की मन की बात

भोपाल।

मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज कोरोना संक्रमित होने के बाद भोपाल के चिरायु अस्पताल में भर्ती है। रविवार सुबह सीएम शिवराज सिंह ने अपने स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए ट्वीट कर लिखा कि दोस्तों में ठीक हूं। वहीं उन्होंने अस्पताल में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। इससे पहले पीएम मोदी ने भी उनसे फोन पर उनके स्वास्थ्य का हाल चाल जाना और जल्द ठीक होने की कामना की। सीएम शिवराज सिंह ने ट्वीट करते हुए कारगिल विजय दिवस पर वीर सैनिकों को नमन किया और कहा कि कारगिल विजय दिवस है! हमारे वीर सैनिक, जिनका हौसला दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ों से भी ऊंचा है, आज कारगिल विजय दिवस है! हमारे वीर सैनिक, जिनका हौसला दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ों से भी ऊंचा है, देश उन्हें प्रणाम करता है और उनका सदैव ऋणी रहेगा। वहीं दूसरी ओर शनिवार देर रात आए हेल्थ बुलेटिन की रिपोर्ट्स में सीएम शिवराज सिंह चौहान की सभी रिपोर्ट्स नॉर्मल आई है। उनकी पत्नी साधना सिंह व दोनों बेटों की कोरोना रिपोर्ट भी नेगेटिव आई है। इसकी जानकारी शिवराज के बेटे कार्तिकेय चौहान ने ट्वीट करके दी।

उन्होंने लिखा कि मेरे साथ मेरे भाई और मां की पहली रिपोर्ट में संक्रमण नहीं आया है। हम लोगों ने खुद को 14 दिन के लिए होम क्वारेंटाइन कर लिया है। इसके अलावा सीएम निवास को सैनिटाइज करने से लेकर संपर्क में आने वाले लोग भी कोरोना टेस्ट करा रहे हैं।

पुंछ सेक्टर में पाक ने किया संघर्ष विराम उल्लंघन, भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा की अग्रिम चौकियों पर शनिवार को लगातार पांचवें दिन पाकिस्तान की सेना ने मोर्टार के गोले दागे और गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा के मानकोट सेक्टर में आज शाम छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार के गोले दागे। वहीं, भारतीय सेना माकूल जवाब दे रही है। यह पांचवां ऐसा दिन था जब पाकिस्तान की सेना ने नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सैनिकों ने राजौरी और पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार और शुक्रवार को गोलीबारी की। गौरतलब है कि इससे पहले पाकिस्तानी सैनिकों ने संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा से लगे इलाकों में गोलीबारी की और तोप से गोले दागे थे। इस गोलीबारी में एक महिला घायल हो गयी थी। सेना के एक अधिकारी ने बताया थाकि पाकिस्तानी सैनिकों ने बुधवार देर रात तंगधार सेक्टर में सेना की अग्रिम चौकियों और आवासीय इलाकों को लक्ष्य कर तोप से गोले दागे और गोलीबारी की थी। भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी सैनिकों के इस कृत्य का माकूल जवाब दिया। दोनों तरफ से एक घंटे से अधिक समय तक गोलाबारी हुई थी।

कहीं चली ना जाए नौकरी इसी डर से पत्नी और बेटी के साथ खा लिया जहर, दर्दनाक मौत

नेशनल डेस्क। कोरोना काल ने लोगों का जीवन तहस नहस। बिमारी के साथ साथ लोगों को नौकरी जाने का भी डर सता रहा है। इसी डर ने एक परिवार को बर्बाद कर दिया। कहीं नौकरी ना चली जाए इसी चिंता में एक शख्स ने अपनी बेटी और पत्नी सहित आत्महत्या कर ली। यह दर्दनाक घटना का गवाह बना है कर्नाटक का धारवाड़ जिला। यहां रहने वाले 36 साल के मोनेश पट्टारा ने पहले अपनी 28 साल की पत्नी अर्पिता और चार साल की बेटी शुक्रिता को जहर खिलाया और इसके बाद खुद भी मौत को गले लगा लिया। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसे लेकर जांच पड़ताल जारी है। मोनेश के घर के आस पास रहने वाले लोगों का कहना है कि कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुएउन्हें अपनी नौकरी जाने का डर सता रहा था जिसकी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया। उन्हें अपनी नौकरी जाने का डर सता रहा था जिसकी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया। मोनेश एक निजी कंपनी में काम करते थे, पिछले कुछ दिनों से वह अपनी नौकरी को लेकर परेशान थे। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी के शव को कब्जे में लेकर परिजनों को इसकी जानकारी दी गई है। इसके अलावा शवों का पोस्टमॉर्टम कराने के साथ कार्रवाई को आगे बढ़ाया जा रहा है।

अफगानिस्तान में पाक के 6500 आतंकी सक्रिय, जैश के 13 आंतकी ढेर

इंटरनेशनल डेस्क।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के करीब 6,000-6,500 आतंकवादी पड़ोसी अफगानिस्तान में सक्रिय हैं जिनमें से अधिकतर का संबंध 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से है और वे दोनों देश के लिए खतरा हैं। 'आईएसआईएस, अल-कायदा और संबद्ध व्यक्तियों एवं संस्थाओं से संबंधित विश्लेषणात्मक सहायता एवं प्रतिबंध निगरानी टीम की 26वीं रिपोर्ट में कहा गया कि 'भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) तालिबान के तहत अफगानिस्तान के निमरूज, हेलमंद और कंधार प्रांतों से काम करता है। इसमें कहा गया, ''खबरों के मुताबिक संगठन में बांग्लादेश, भारत, म्यामां और पाकिस्तान से 150 से 200 के बीच सदस्य हैं। एक्यूआईएस का मौजूदा सरगना ओसामा महमूद है...जिसने मारे गए आसिम उमर की जगह ली है। इस बीच अफगानिस्सतान के सुरक्षाबलों ने जैश- ए- मोहम्मद के 13 आतंकवादियों को मार गिराया है जबकि एक को जिंदा पकड़ा है। 24 जुलाई से अफगान सिक्योरिटी फोर्स के सुरक्षा बल खोगयानी जिले के मिर्जा खेल में संयुक्सत रूप से ऑपरेशन का संचालन कर रहे हैं। अब भी सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब तक 31 आतंकी मारे जा चुके हैं जिनमें से 18 अफगान तालिबाा के थे और 13 पाकिस्तान के से ताल्लुक रखते थे.। ये आतंकवादी मौलवी सोहेल से संबद्ध थे। गौरतलब है कि अफगान फोर्स के 24 सैनिक भी मुठभेड़ में शहीद हुए हैं। शुक्रवार 24 जलाई को अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि जाबूल प्रांत के अरघान दाब, शिंकजी और शाह जोई जिलों में अफगानी सैनिकों साथ मुठभेड़ में कम से कम 24 तालिबानी लड़ाकू मारे गए हैं और 27 गंभीर रुप से घायल हो गए हैं। इस सप्ताह के शुरुआत में ही पूर्वी अफगानिस्तान में हवाई हमलों में तालिबानियों समेत 45 नागरिकों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, ''खबरें हैं कि एक्यूआईएस अपने पूर्व सरगना की मौत का बदला लेने के लिए क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई की साजिश रच रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि अफगानिस्तान में मौजूद सबसे बड़े आतंकवादी संगठन÷, तहरीक-ए-तालिबान पाकेस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तान में कई हाई प्रोफाइल हमलों की जिम्मेदारी ली है और जमात-उल-अहरार और लश्कर-ए-इस्लाम द्वारा किए गए अन्य हमलों में मदद की है। इसमें कहा गया कि टीटीपी के कई पूर्व आतंकवादी इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लैवेंट खुरासान (आईएसआईएल-के) में शामिल हो गए हैं और सदस्य राष्ट्रों को आशंका है ।

कोरोना: देश में अब तक 1 करोड़ 62 लाख से ज्यादा लोगों की हुई जांच, 24 घंटे में 4.42 हुए टेस्ट

नेशनल डेस्क।

भारत में कोरोना के एक दिन में 48,661 मामले सामने आने से शनिवार को संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 13,85,522 हो गए जबकि 8,85,576 मरीज स्वस्थ हो गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार देश में से 705 और लोगों की मौत होने से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 32,063 हो गई। देश में कोरोना वायरस से अब भी 4,67,882 लोग संक्रमित हैं। वहीं 63.92 प्रतिशत लोग इस वैश्विक महामारी से उबर चुके हैं। संक्रमितों की कुल संख्या में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। यह लगातार चौथा दिन है जब ष्ट्थ1द्बस्र-19 के एक दिन में 45,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। देश में के लिए नमूनों की जांच की संख्या एक करोड़ 60 लाख के पार चली गई हैं के अनुसार 25 जुलाई तक 1,62,91,331 लोगों की कोरोना वायरस के लिए जांच की गई जिनमें से 4,42,263 नमूनों की जांच शनिवार को की गई जो एक दिन में जांच की सर्वाधिक संख्या है। बीते 24 घंटों में जिन 705 लोगों की मौत हुई उनमें से 257 की महाराष्ट्र, 89 की तमिलनाडु, 72 की कर्नाटक, 52 की आंध्र प्रदेश, 42 की पश्चिम बंगाल, 39 की उत्तर प्रदेश, 29 की दिल्ली, 22 की गुजरात, 14 की बिहार, 12 की झारखंड, 11 की राजस्थान और 10 लोगों की मौत ओडिशा में हुई।

पंजाब और जम्मू कश्मीर में नौ, मध्य प्रदेश में आठ, हरियाणा में सात, केरल में पांच, गोवा में चार, छत्तीसगढ़, पुडुचेरी, उत्तराखंड और नगालैंड में तीन-तीन जबकि असम और लद्दाख में एक-एक मरीज ने इस संक्रामक रोग के कारण जान गंवाई।

सिंधिया पर ट्वीट को लेकर इमरती देवी का पलटवार, कमलनाथ- दिग्विजय है नाग महाराज तो शेर हैं

भोपाल।

कांग्रेस का हाथ छोड़ बीजेपी में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया के दल बदलना कांग्रेसी नेताओं को अभी भी रास नहीं आ रहा। आए दिन कोई न कोई नेता सिंधिया को लेकर बयानबाजी करता रहता है। इसी क्रम में नागपंचमी के मौके पर पूर्व पीसीसी चीफ और कांग्रेस के कद्दावर नेता अरुण यादव ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को निशाने पर लिया है। वहीं सिंधिया की कट्टर समर्थक व शिवराज की मंत्री इमरती देवी ने पलटवार किया है। अरुण यादव ने सिंधिया की फोटो ट्वीट करते हुए लोगों को नागपंचमी की शुभकामनाएं दी। सोशल मीडिया पर यह ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं इस ट्वीट के वायरल होने के

बाद सिंधिया समर्थक व मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री इमरती देवी ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा, पहले वो अपनी पार्टी में एकता बना लें। दिग्विजय सिंह नाग हैं, कमलनाथ जी नाग हैं या अरूण यादव जी नाग हैं। वो तो अपनी ही पार्टी को खा रहे हैं। सिंधिया जी ने तो जनता के लिए और किसानों के लिए एक पार्टी को समर्थन किया है। वो नाग नहीं शेर हैं। नाग तो वो हैं जो डंस डंसकर अपनी पार्टियां ही फेल कर रहे हैं।

एक और बांग्लादेश बनने की तैयारी ? शिनजियांग में चीन के खिलाफ सुलग रही चिंगारी

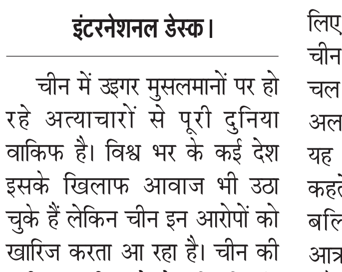

इंटरनेशनल डेस्क।

चीन में उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचारों से पूरी दुनिया वाकिफ है। विश्व भर के कई देश इसके खिलाफ आवाज भी उठा चुके हैं लेकिन चीन इन आरोपों को खारिज करता आ रहा है। चीन की बड़ी आबादी वाले क्षेत्र शिनजियांग को लेकर सोशल एक्टिविस्ट लिली हार्डिंग ने एक चौंकाने वाल खुलासा किया है। लिली का मानना है कि चीन सरकार के खिलाफ अब उइगर मुसलमानों का गुस्सा बढ़ता जा रहा और वे इसके खिलाफ बगावत पर उतर सकते हैं। लिली ने द कूटनीती, एक राय लेख में लिखा चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण से मुक्त होने के लिए शिनजियांग संभवतः एक और बांग्लादेश बनने की तैयारी में है। लिली के अनुसार शिनजियांग के लोग एक लोकतांत्रिक गणराज्य के लिए तरस रहे हैं। शिंजियांग प्रांत में चीन से अलग होने के लिए संघर्ष चल रहा है। उइगर लोगों का एक अलगाववादी समूह मानता है कि यह क्षेत्र, जिसे वे पूर्वी तुर्किस्तान कहते हैं, चीन का वैध अंश नहीं है बल्कि 1949 में चीन द्वारा आक्रमण करके कब्जाया गया था और अभी तक चीन उस पर अनधिकृत रूप से काबिज है। अलगाववादी आंदोलन कुछ तुर्की मुस्लिम संगठनों द्वारा चलाया जा रहा है, जिनमें पूर्वी तुर्किस्तान स्वाधीनता आंदोलन नाम का दल प्रमुख है। हार्डिंग लिखती हैं कि शिनजियांग को पूर्वी तुर्किस्तान के रूप में भी जाना जाता है, चीन के आर्थिक विकास लक्ष्यों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, हालांकि, इसके लोगों को इसकी सरकार के लिए कोई फायदा नहीं है। चीन के सबसे बड़े और मगरिबी इलाके शिंजियांग में रह वाले उइगर बिरादरी के लोगों की इस इलाके में आबादी एक करोड़ से ऊपर है। इसकी सीमा मंगोलिया और रूस समेत आठ देशों के साथ मिलती है। हार्डिंग ने लिखा है कि अगर चीन का यह प्रांत अगर अलग गणराज्य बन जाता है तो भारत को चीन से अच्छा पड़ोसी मिल सकता है। हार्डिंग की टिप्पणी 1971 में शुरू हुए बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के संदर्भ में है। शिंजियांग जनवादी गणराज्य चीन का एक स्वायत्तशासी क्षेत्र है। ये एक रेगिस्तानी और शुष्क इलाक़ा है इसलिए इस की आबादी बहुत कम है। शिंजियांग की सरहदें दक्षिण में तिब्बत और भारत, दक्षिण-पूर्व में चिंग हई और गांसू, पूर्व में मंगोलिया, उत्तर में रूस और पश्चिम में क़ाज़क़स्तान, किरगिज़स्तान, ताजिकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान से मिलती हैं। भारत का अक्साई चिन का इलाक़ा भी, जिसपर चीन का क़ब्ज़ा है, प्रशासनिक रूप से शिंजियांग में शामिल है। शिंजियांग की राजधानी उरुमची नाम का शहर है, जबकि इसका सबसे बड़ा नगर काशगर है। गौरतलब है कि इस सुलगती चिंगारी का अंदाजा चीन सरकार को भी हो चुका है और यही वजह है कि चीन उइगर मुसलमानों को बड़ा खतरा मानता है इसलिए उनको दबाने के लिए किसी न किसी उनको तंग करता है । मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने उइगर मुस्लिम बिरादरी के सबसे बड़े इमाम को भी क़ैद किया हुआ है। चीन उइगर मुसलमानों पर दाढ़ी बढ़ाने और नकाब पहनने पर भी प्रताड़ित कर रहा है और उन्हें अज्ञात हिरासत में रखा हुआ है।

सोशल डिस्टन्सिंग के साथ जल्द खुल सकते हैं सिनेमा हॉल

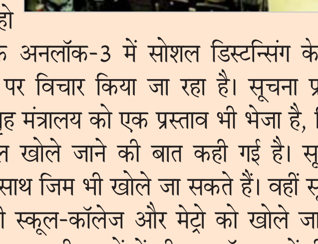

नेशनल डेस्क। कोरोना वायरस के बीच अब देश अनलॉक-3 की ओर बढ़ रहा है। अनलॉक-3 के लिए एसओपी बनाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। बता दें कि 31 जुलाई को अनलॉक-2 खत्म हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक अनलॉक-3 में सोशल डिस्टन्सिंग के साथ सिनेमा हॉल खोले जाने पर विचार किया जा रहा है। सूचना प्रसारण मंत्रालय ने इसको लेकर गृह मंत्रालय को एक प्रस्ताव भी भेजा है, जिसमें 1 अगस्त से सिनेमा हॉल खोले जाने की बात कही गई है। सूत्रों के मुताबिक सिनेमा हॉल के साथ जिम भी खोले जा सकते हैं। वहीं सूत्रों के अनुसार सरकार का अभी स्कूल-कॉलेज और मेट्रो को खोले जाने का कोई विचार नहीं है। इसके साथ ही राज्यों में भी अनलॉक-3 में ढील दी जा सकती है। पिछले दिनों सूचना प्रसारण मंत्रालय और सिनेमा हॉल मालिकों के बीच कई दौर की बैठक हुई थीं। बैठक में सिनेमा हॉल मालिक, 50 फीसदी दर्शकों के साथ थियेटर शुरू करने को तैयार हैं, हालांकि मंत्रालय चाहता शुरुआत में 25 फीसदी सीट के साथ सिनेमा हॉल खोले जाने के पक्ष में है और नियमों का सख्ती से पालन करने की भी बात कही। बता दें कि कोरोना संकट के बीच देश में 24 मार्च से लॉकडाउन लगाया गया था जोकि 31 मई तक चला। 8 जून से देश अनलॉक की तरफ बढ़ना शुरू हो गया था। हालांकि अभी देश से पूरी तरह से पाबंदियां नहीं हटाई गई हैं। देश में अभी अनलॉक-2 चल रहा है। देश में पिछले कुछ समय से कोरोना के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

शिवराज के स्वास्थ्य के लिए बीजेपी कार्यकर्ताओं ने करवाया महामृत्युंजय जाप एवं हवन

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान के बेहतर स्वास्थ्य कामनाओं के लिए आज खटलापुरा मंदिर जहांगीराबाद में महामृत्युंजय जाप एवं हवन का आयोजन किया गया। इसमें भारतीय जनता पार्टी के पूर्व पार्षद पप्पू विलास, भाजपा नेता कृष्णा घाड़घे, मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र मीणा आदि कार्यकर्ता शामिल हुए। आपको बता दें कि सीएम शिवराज सिंह चौहान की शनिवार को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उन्हें भोपाल के चिरायु अस्पताल में भर्ती किया गया है। हालांकि रविवार को खुद सीएम शिवराज ने अपनी हेल्थ अपडेट देते हुए ट्वीट किया कि वे अब स्वस्थ हैं लेकिन कुछ दिन डॉक्टरों की निगरानी में रहेंगे।

6किलोमीटर दूरी के लिए कोरोना मरीजों से एंबुलेंस ने मांगे 9200 रुपए, नहीं देने पर ऑक्सीजन सपोर्ट हटाया

नेशनल डेस्क। कोरोना काल में इंसानियत खत्म होती जा रही है। मरीजों को बचाने की बजाए उनसे हजारों रुपए की कमाई की जा रही है। कोलकाता में एक एंबुलेंस चालक ने से ग्रसित दो बच्चों और उनकी मां को अपने वाहन से कथित तौर पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया क्योंकि वे शहर के दो अस्पतालों के बीच की छह किलोमीटर की दूरी के लिए मांगे जा रहे हद से ज्यादा पैसे नहीं दे सकते थे। हालांकि, लड़कों के पिता ने बताया कि चिकित्सकों के हस्तक्षेप के बाद, चालक 2,000 रुपए पर माना। दो भाई-जिनमें से एक नौ महीने का और दूसरा साढ़े नौ साल का है- दोनों का इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ (आईसीएच) में इलाज चल रहा था और शुक्रवार को दोनों में ष्ट्थ1द्बस्र-19 की पुष्टि हुई थी जिसके बाद उनके पिता ने उन्हें सरकारी अस्पताल में ले जाने के लिए एंबुलेंस बुलाने की कोशिश की। बच्चों के पिता ने आरोप लगाया कि चालक ने उन्हें पार्क सर्कस स्थित आईसीएच से कॉलेज स्ट्रीट इलाके में स्थित कोलकाता मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल ले जाने के लिए 9,200 रुपए मांगे। हुगली जिले के रहने वाले इस शख्स ने कहा, एंबुलेंस चालक ने मेरे बेटों को केएमसीएच ले जाने के लिए 9,200 रुपए मांगे जो इस अस्पताल से महज छह किलोमीटर दूर है। मैंने उसे बताया कि मैं इतना पैसा नहीं दे पाऊंगा और उससे गुहार लगाता रहा लेकिन उसने एक न सुनी। उसने बताया कि उलटे, चालक ने मेरे छोटे बेटे से ऑक्सीजन सपोर्ट हटा लिया और बच्चों एवं उनकी मां को उतरने पर मजबूर किया। शख्स ने कहा कि मैं आईसीएच के डॉक्टरों का शुक्रगुजार हूं। उनकी वजह से मेरे बच्चे बेहतर इलाज के लिए केएमसीएच पहुंच पाए।

ट्रैफिक एसीपी की सड़क हादसे में मौत, वाहन चालक फरार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले के वसंतकुंज साउथ इलाके में शनिवार रात करीब 9.30 बजे रजोकरी फ्लाईओवर के पास ड्यूटी पर तैनात दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एसीपी संकेत कौशिक को टाटा 407 ने कुचल दिया। उन्हें तत्काल एम्स के ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद वाहन चालक फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। इसके साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। हादसे के पीछे कोई साजिश तो नहीं इसका भी पता लगाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मूलतः अजेमर (राजस्थान) निवासी संकेत कौशिक (58) दक्षिण-पश्चिम जिले में एसीपी ट्रैफिक के तौर पर तैनात थे।

तहलका स्टिंग ऑपरेशन : जया जेटली और दो अन्य भ्रष्टाचार मामले में दोषी करार

नई दिल्ली। रक्षा सौदे में भ्रष्टाचार करने के 20 साल पुराने एक मामले में समता पार्टी की पूर्व अध्यक्ष जया जेटली और दो अन्य को अदालत ने दोषी ठहराया है। रक्षा सौदे में भ्रष्टाचार का सनसनीखेज खुलासा न्यूज पोर्टल तहलका ने किया था। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश वीरेंद्र भट ने जया जेटली और पार्टी में उनके पूर्व सहयोगी गोपाल पछेरवाल एवं मेजर जनरल (अवकाश प्राप्त) एसपी मुरगई को भ्रष्टचार और आपराधिक साजिश का दोषी करार दिया। उल्लेखनीय है कि तहलका ने ' ऑपरेशन वेस्टएंड नाम से स्टिंग ऑपरेशन किया था जिसका प्रसारण जनवरी 2001 में किया था। आरोप था कि सेना को थर्मल इमेजर की आपूर्ति करने के लिए संदिग्ध कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में आए पत्रकार से अभियुक्तों ने रिश्वत स्वीकार की थी। यह बैठक तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस के सरकारी आवास पर हुई थी। अदालत द्वारा 21 जुलाई को सुनाए गए फैसले में कहा कि जेटली ने संदिग्ध कंपनी वेस्टेंड इंटटरनेशनल के प्रतिनिधि मैथ्यू सैम्युअल से दो लाख रुपए गैर कानूनी तरीके से लिए थे जबकि मुरगई को 20 हजार रुपए मिले। तीनों आरोपी के साथ सुरेंद्र कुमार सुरेखा आपराधिक साजिश के मामले में पक्षकार थे, लेकिन सुरेखा बाद में सरकारी गवाह बन गए। अदालत ने तीनों आरोपियों- जेटली पछेरवाल और मुरगई- को आपराधिक साजिश (भारतीय दंड संहिता की धारा-120 बी) और भ्रष्टाचार निरोधी कानून की धारा-9 (लोकसेवकों पर निजी प्रभाव का इस्तेमाल करने के लिए घूस लेना) के तहत दोषी करार दिया। अदालत ने सजा पर बहस करने के लिए 29 जुलाई की तरीख तय की है। अदालत ने कहा कि अभियोग पक्ष द्वारा मुहैया कराए गए सबूत से यह साबित होता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दोस्तो के साथ मिलकर अपने ही मकान मालिक से मांगी 25 लाख की रंगदारी

क्रांति समय सुरत

हैदरगढ़ बाराबंकी (एजेसी)। कहते है गलत आदतें इंसान को तबाही के रास्ते पर ले जाती है। ऐसा ही कुछ देखने को मिला बाराबंकी में जहा महंगे शौक की आदत ने एक छात्र को अपराधी बना दिया। अपनी इसी आदत से मजबूर छात्र ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपने ही पूर्व मकान मालिक से 25 लाख की रंगदारी मांग डाली, जिसके बाद पीड़ित मकान मालिक की शिकायत पर बाराबंकी पुलिस ने जाल बिछा कर रंगदारी मांगने के आरोपी 6 युवकों को गिरतार कर लिया । गिरतार आरोपियों के पास से पुलिस ने दो तमंचे, एक बाइक और एक वैगनआर गाड़ी समेत रंगदारी की रकम के तौर पर दिए गए रुपये भी बरामद किये है। मामला बाराबंकी की नगर कोतवाली इलाके का है जहां नगर क्षेत्र के शिवाजी पुरम कालोनी में रहने वाले उ0प्र0 राज्य निर्माण निगम लिमिटेड में अवर अभियंता के पद पर तैनात अजय सिंह के पास बीती 18 जुलाई की रात को अज्ञात नम्बर से फोन कर 25 लाख की रंगदारी मांगी गयी और रंगदारी न देने पर बच्चो को किडनैप करने और उन्हें जान से मारने की धमकी दी गयी।

अगले दिन दोपहर फिर उसी नम्बर से फोन कर उन्हें अंजाम भुगतने की धमकी दी गयी जिसके बाद डरे सहमे अजय सिंह ने बाराबंकी पुलिस को मामले की खबर दी । मामला 25 लाख की रंगदारी का था और हाल ही में हुई कानपुर पुलिस की किरकिरी से सबक लेते हुए बाराबंकी के एसपी डॉ0 अरविन्द चतुर्वेदी ने तत्काल स्वाट टीम प्रभारी विवेक सिंह समेत पुलिस की कई टीमो को अपराधियों की धरपकड़ के लिए लगा दिया ।

जिसके बाद स्वाट टीम प्रभारी विवेक सिंह और नगर कोतवाली प्रभारी पंकज सिंह ने अपराधियों को पकड़ने के लिए जाल बिछा कर नगर कोतवाली के केवाड़ी मोड़ के पास से बाइक और वैगन आर गाड़ी से रंगदारी की रकम लेने आये 6 युवकों गिरतार कर लिया । बाराबंकी के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अरविन्द चतुर्वेदी की माने तो रंगदारी वसूलने की इस योजना का सूत्रधार सचिन सिंह पीड़ित अवर अभियंता अजय सिंह के ही पूर्व किराएदार राकेश सिंह का बेटा है जो कि कई साल तक उनके मकान में किराये पर रह चुका था।

सचिन को अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए पैसों की जरूरत रहती थी और अजय के मकान में किराये पर रहने के चलते सचिन को इस बात की जानकारी थी की अजय के पास काफी रकम रहती है और इसी जानकारी के आधार पर उसने अपने दोस्तों के साथ मिल कर उनसे 25 लाख की भारी भरकम रकम वसूलने की योजना बनायी फिर इसी योजना के तहत उसने अपने दोस्त हर्षित से फोन करा कर अजय से 25 लाख की रंगदारी मांगी थी।

हालांकि इसे इन युवकों की बदकिस्मती कहे या कुछ और कि रंगदारी का फोन आने के बाद अजय ने बाराबंकी पुलिस से मदद मांगी और पुलिस के कहने पर ही उसने 25 लाख की रकम देने की हामी भर ली और कागज की गड्डियो में ऊपर नीचे असली नोट लगा कर आरोपियों द्वारा बतायी जगह पर पहुच गया। जिसके बाद जैसे ही सचिन और उसके साथी पैसों से भरा बैग लेकर जाने लगे पहले से ही घेराबन्दी कर बैठी पुलिस ने उन्हें धरदबोचा।

पुलिस अधीक्षक की माने तो पकड़े गए सभी युवक छात्र है और अपने महंगे शौक पूरा करने के फेर में अपराध की काली डगर पर चल पड़े थे।

पुत्र की हरकतों से परेशान पिता ने सुपारी देकर करा दी हत्या

क्रांति समय सुरत

हापुड़ (एजेसी)। अपने बेटे के हिंसक व्यवहार और हाई प्रोफाइल लाइफ स्टाइल से परेशान होकर पिता ने उसका हत्या करवा दी। इसके लिए पिता ने दो लाख की सुपारी देकर अपने बेटे की हत्या करा दी। पुलिस ने हत्या के सिलसिले में भाड़े के दो हत्यारों को गिरफ्तार किया है। हापुड़ के सिंभौली इलाके में बुधवार की सुबह ऋषभ तोमर अपने कार में मृत पाया गया। उसके गले पर रेतने के निशान मिले। इस मामले में पुलिस ने तत्परता से जांच करते हुए मृत लड़के के पिता कमल चंद तोमर और भाड़े पर लिए गए दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला है कि कमल ने दोनों बदमाशों को इस काम के लिए दो लाख रुपये दिए थे।

ऑटोमोबाइल रिपेयर शॉप चलाने वाले कमल चंद ने मीडिया को बताया कि मेरे बेटे ने अपना होश खो दिया था। वह गालियां देता था और यहां तक कि पैसे के लिए वह मुझे और अपनी मां को पीटता भी था।

एक बार उसने अपनी मां का हाथ ही तोड़ डाला था। मैं उसे एक डॉक्टर के पास भी लेकर गया था और उसका ट्रीटमेंट चल रहा था, लेकिन अब वह हर दूसरे दिन पैसे की मांग करता था। हमारी जिंदगी जहन्नुम हो गई थी। मेरे पास इसके अलावा और कोई रास्ता नहीं था।

हापुड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजीव सुमन ने बताया कि कमल चंद ने ऋषभ की हत्या करवाने के लिए अपने पड़ोसी कमल पाल को दो लाख रुपये दिए थे।

पाल ने अपने एक दोस्त प्रम. ोद को इसमें शामिल किया जो ऋषभ को अच्छे से जानता था। वे ऋषभ को सिंभौली लेकर गए जहां इन्होंने मिलकर शराब पी और बाद में ऋषभ की हत्या कर दी। एसपी ने बताया कि जब ऋषभ के माता–पिता ने आकर हमें मर्डर के बारे में बताया तभी हमें शक हुआ।

वे ज्यादा परेशान नहीं दिख रहे थे और न ही उन्होंने शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के लिए हमसे कुछ कहा। एफआईआर दर्ज कराने को लेकर भी उनमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। बाद में गहरी छानबीन के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

भाई ने ही की थी भाई की हत्या, गिरफ्तार

गौतमबुद्ध नगर (एजेसी)। जिले के बिसरख गांव में रहने वाले 35 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके भाई को रविवार को गिरफ्तार किया। सहायक पुलिस आयुक्त राजीव कुमार सिंह ने बताया कि थाना बिसरख क्षेत्र के बिसरख गांव में रहने वाला भीष्म 14 जुलाई से लापता था। उसका शव 16 जुलाई को गांव के पास मिला था। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि मृतक की गला दबाकर और गले पर धारदार हथियार से हमला करके हत्या की गई है।

सिंह ने बताया कि इस मामले में मृतक के परिजन मुकदमा दर्ज नहीं कराना चाह रहे थे, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और मामले की जांच शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि भीष्म की हत्या में उसके परिवार के लोगों का हाथ है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने रविवार सुबह मृतक के भाई दीपक को हिरासत में लेकर उससे सख्ती से पूछताछ की, तो उसने पुलिस को बताया कि भीष्म अविवाहित था और शराब पीने का आदी था। शराब पीकर वह परिजन के साथ कई बार अभद्र व्यवहार करता था। दीपक के अनुसार, घटना वाले दिन भी भीष्म शराब पीकर घर आया था और उसने घर की महिलाओं से अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया कि दीपक ने जब इस बात का विरोध किया तो भीष्म ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच दीपक ने उसका गला दबा दिया और जब वह बेहोश हो गया तो घर में रखी छुरी से उसके गले पर हमला किया। उन्होंने बताया कि दीपक को गिरफ्तार कर लिया गया है और हत्या में इस्तेमाल की गई छुरी भी बरामद कर ली गई है।

भाजपा सरकार से उठा जनता का भरोसा–अखिलेश

लखनऊ (एजेसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि नीति, नीयत और नेतृत्व में पंगु राज्य की भाजपा सरकार से

जनता का भरोसा उठ चुका है। सरकार में दायित्व निर्वहन की जो इच्छाशक्ति होती है, उसकी भाजपा में दूर–दूर तक पहचान नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ने शपथ लेने के बाद कई बड़े–बड़े वादे किए थे। यह भी कहा था कि वे प्रदेश की सड़कों को गड्ढ़ा मुक्त बनाएंगे। फिर वे इस कार्य की अवधि बढ़ाते रहे लेकिन उनका रिजल्ट कार्ड शून्य ही चल रहा है। वादे न निभाना और जनता को धोखे में रखना भाजपा की ऐसी कला है जिसमें वही पारंगत और विशेषज्ञ हैं।

सपा मुखिया ने रविवार को यहां बयान जारी कर कहा कि सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के नाम पर प्रदेश में हजारों करोड़ रूपए लुटाए जा चुके हैं। वर्ष 2017–18 में 3793.80 करोड़, वर्ष 2018–19 में 3266.84 करोड़ तथा वर्ष 2020–21 में 2305.00 करोड़ रूपयों का बजट पास हुआ फिर भी सड़के वैसी ही टूटी–फूटी हैं। जब सड़के बदहाल है तो बजट की धनराशि का बंदरबांट होने का अंदेशा अस्वाभाविक नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनहित की एक भी योजना नहीं लागू कर सकी है। वह घोटाला करने के नए–नए तरीके निकालती है। उसके साढ़े तीन साल के अब तक के कार्यकाल में विकास की सभी

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, सरगना महिला समेत 15 गिरफ्तार

पकड़े गए युवकों में एनसीआर, अलीगढ़ एवं पंजाब के युवा भी शामिल

गाजियाबाद(एजेसी)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना क्षेत्र में पुलिस ने छापेमारी कर एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

यहां शालीमार गार्डन के विक्रम पति की मौत कुछ साल पहले हो गई थी। इसके बाद महिला ने अपने और अपने बच्चों का भरण पोषण करने के लिए सेक्स रैकेट चलाना शुरु कर दिया।

पुलिस के मुताबिक महिला दिल्ली–एनसीआर सहित अलीगढ़ एवं पंजाब के युवक भी हैं। रिहायशी इलाके में चल रहे।

इस सेक्स रैकेट की सूचना जब पुलिस को मिली तो पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आज छा.

एनक्लेव में एक महिला द्वारा अपने घर से ही सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 7 युवक एवं 8 युवतियों को गिरफ्तार किया है।

बताया गया है कि महिला के आसपास के इलाकों से युवतियों को बुलाती थी एवं कस्टमर्स की डिमांड पर युवतियों को अलग–अलग जगह गाड़ी द्वारा होटल आदि में भेजा करती थी।

पकड़े गए युवकों में भी पेमारी की।

क्षेत्राधिकारी महिपाल सिंह ने बताया कि धंधे में लिप्त लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अब आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सार–समाचार

पुलिस अधीक्षक ने भे ा बदल कर तोड़ा लॉकडाउन पुलिस ने पकड़ा तो दिया इनाम

सुलतानपुर (एजेसी)। जिले के पुलिस अधीक्षक ने सप्ताहांत पर घोषित लॉकडाउन के दौरान अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की मुस्तैदी जांचने के लिए भेष बदल कर एक बैरियर लांघने की कोशिश की। पकड़े जाने पर खुश हुए कप्तान ने बदले में इनाम दिया। पुलिस अधीक्षक शिवहरि मीणा ने रविवार को बताया कि शनिवार की शाम लगभग साढ़े छह बजे मिनी लॉकडाउन के दौरान पुलिस की मुस्तैदी परखने के लिए अपना भेष बदलकर कोतवाली नगर क्षेत्र के डाकघर चैराहे पर लगे बैरियर को जब लांघने की कोशिश की। वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने रोका, तो वह भागने लगे। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें दौड़ा कर पकड़ लिया। इतने में उन्होंने अपने चेहरे से गमछा हटा दिया। अपने अधीक्षक को इस भेष में देखकर सभी पुलिस कर्मी दंग रह गए। तुरंत ही पुलिस अधीक्षक के पीआरओ, गनर भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी में कामयाब सभी आठ पुलिस कर्मियों को तत्काल 2100 रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की।

यूपी में कोरोना संक्रमण के 3260 नये मामले, 39 और मौत

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान को. विड–19 संक्रमित 39 और लोगों की मौत हो गयी और संक्रमण के 3260 नये मामले सामने आये। स्वास्थ्य विभाग द्वारा रविवार को जारी बुलेटिन के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोविड–19 संक्रमित 39 और लोगों की मौत हो गयी। राज्य में इस वायरस से अब तक 1426 लोगों की मौत हो चुकी है।

पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे ज्यादा आठ मौतें कानपुर नगर में हुई हैं। इसके अलावा बलिया में छह, अयोध्या, बरेली और गोरखपुर में तीन–तीन, वाराणसी, सुलतानपुर और झांसी में दो–दो, बागपत, बस्ती, बुलंदशहर, चंदौली, देवरिया, जालौन, जौनपुर, लखनऊ, मेरठ और प्रयागराज में एक–एक मरीज की मृत्यु हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 3260 नये प्रकरण भी सामने आये हैं। लखनऊ में एक बार फिर सबसे ज्यादा 449 नये मरीजों के बारे में पता लगा है। इसके अलावा कानपुर नगर में 202, वाराणसी में 145, बलिया में 128, गौतमबुद्धनगर में 110, गोरखपुर में 107 और मुरादाबाद में 103 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। राज्य में इस वक्त 23 हजार 921 कोविड–19 मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जबकि कुल 41 हजार 641 रोगी पूरी तरह ठीक होकर घर जा चुके हैं।

रामपुर मथुरा के दारोगा सिपाही व एएनएम को हुआ कोरोना

रामपुर मथुरा–सीतापुर(एजेसी)। विकासखंड रामपुर मथुरा क्षेत्र में अभी तक कोविड–19 के कोई पॉजिटिव केस नहीं मिले थे जिससे क्षेत्रवासी अपने को खुशहाल महसूस कर रहे थे लेकिन शनिवार को हुए टेस्ट में रामपुर मथुरा थाने की एक दरोगा तथा एक सिपाही और सीएससी रामपुर मथुरा की एक ए एन एम को कोरोना पॉजिटिव पाया गया जिससे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है

वहीं प्रशासन थाना वा अस्पताल को सीज करके सैनिटाइजर किया जा रहा है तथा उक्त लोगों को क्वारंटाइन किया गया जिनकी डॉक्टर की टीम द्वारा देख रहे किया जा रहा है इस तरह से जिले में कोरोना पॉजिटिव की संख्या 250 के करीब पहुंच गई है प्रशासन कुरौना की रोकथाम के लिए दिन रात एक किए हुए हैं प्रशासन के द्वारा जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें घरों से बाहर न निकलना, आवश्यकता पड़ने पर ही घर से बाहर निकले, एक दूसरे के संपर्क में ना आना, मास्क का प्रयोग करना, हाथ मुंह कई बार साबुन से धोना खांसी बुखार छींके आने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाना आदि लक्षण के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

टूट गई थी शादी, दो पक्षों में खूनी संघर्ष, फायरिंग के दौरान 4 घायल

कब्रिस्तान की जमीन पर पशु चराने को लेकर विवाद में भिड़ गए दोनों पक्ष

गाजीपुर (एजेसी) । यूपी के गाजीपुर के महना कला खुर्द गांव में रविवार की सुबह शादी से इंकार करने पर कन्या और वर पक्ष के बीच खूनी संघर्ष हुआ। इसमें 4 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल से वाराणसी रेफर कर दिया गया है। वहीं पुलिस ने बंदूक समेत लगभग 5 लोगों को हिरासत में ले लिया है। एसएचओ दिलदारनगर धर्मेंद्र पांडे ने बताया कि महना कला खुर्द गांव में आज कब्रिस्तान की जमीन पर पशु चराने को लेकर हुए विवाद में दो पक्ष आपस में भिड़ गए और एक दूसरे पर लाठी–डंडे ईट, पत्थर चलाने लगे। इसी बीच एक पक्ष ने बंदूक से फायर झोंक दिया। मारपीट और छर्रे लगने से 4 लोग घायल हैं। गोली चलाने वाले समेत पांच लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेने का दावा किया है। मामला शादी विवाह से भी जोड़कर देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों में शादी तय थी, जिसके किसी वजह से टूट जाने से एक पक्ष नाराज चल रहा था। फिलहाल गांव में भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात है। घटना के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

बुलंदशहर (एजेसी)। जिले की जहांगीराबाद पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर उसके पास एक किलो गांजा बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि जहांगीराबाद थाने की पुलिस ने सूचना पर शिवाली चैराहे से हीरापुर गांव निवासी लाखन को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से गांजा बरामद किया जिसकी कीमत एक लाख रूपये आंकी गयी है। उन्होने बताया कि लाखन दूसरे प्रदेशों से सस्ते मूल्य पर मादक पदार्थ लाकर आर्थिक लाभ के लिए बिक्री करता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनडीआरएफ ने रात को ऑपेरशन चलाकर बचाई 31 लोगों की जान

बाढ़ के पानी से गंडक नदी के तटबंध टूटे, सांवलिया गांव में फंसे थे लोग

क्रांति समय सुरत

गोपालगंज(एजेसी)। गोपालगंज जिले में गंडक नदी का तटबंध टूटने से जिले के बैकुण्ठपुर प्रखण्ड के अनेकों गांव जलमग्न हो गए हैं। ग्रामीण बाढ़ आपदा की गंभीर चुनौतियों से जूझ रहे हैं। यहां सूचना पर पहुंची एनडीआरएफ टीम ने गंडक नदी की बाढ़ से जलमग्न सांवलिया गांव में रात में रेस्क्यू ऑपेरशन चलाकर बाढ़ में फंसे 31 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार सांवलिया गांव में पानी भर जाने से लोग अलग–अलग मकानों की छतों पर आश्रय लिए हुए थे। बाढ़ में फंसे लोगों में महिलाएं बच्चे और बूढ़े सभी लोग शामिल थे। जिला प्रशासन के समन्वय से रात को 11 बजकर 45 मिनट से सुबह के लगभग चार बजे तक यह रेस्क्यू ऑपेरशन चलाया गया। एनडीआरएफ की टीम द्वारा चलाये गए इस ऑपेरशन में जीपीएस, हेड लैंप, सर्च लाइट और रेस्क्यू बोट की मदद से मुसीबत में फंसी 10 महिलाओं 12 बच्चों और नौ पुरुषों को सुरक्षित निकाला गया।

कमान्डेंट विजय सिन्हा ने बताया कि अब तक एनडीआरएफ की टीमें बिहार के बाढ़ प्रभावित पूर्वी चम्पारण, पश्चिम चम्पारण, गोपालगंज, सुपौल, दरभंगा और सारण जिलों में रेस्क्यू ऑपेरशन चलाकर मुसीबत में फंसे लगभग 4900 लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा चुकी है।

वर्तमान में एनडीआरएफ की 21 टीमें 102 रेस्क्यू बोटों के साथ बिहार राज्य के 12 जिलों में तैनात है।

बांका में चली गोलियां, एक की हत्या एक के पैर में लगी गोली

गोलीबारी की दो घटनाओं में 2 महिलाओं समेत 5 घायल

क्रांति समय सुरत

बांका(एजेसी)। बिहार के बांका के बौन्सी थाना क्षेत्र के कहराबांध में जहां 40 वर्षीय युवक बुल्ला यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गयी, वहीं रजौन थाना क्षेत्र के बामदेव झिटका में दो पक्षों की खूनी झड़प में अंधाधुंध गोलीबारी हुई। बौंसी की घटना के बारे में बताया जा रहा है कि बुल्ला यादव अपने कहरा बांध के दोस्त अमित यादव के यहां रहता था। जब वह सोया हुआ था तब किसी ने तड़के उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक का छोटा भाई हत्या के पीछे पुरानी रंजिश बता रहा है। वो पिछले दिनों मजलिशपुर और नवटोलिया के बीच दो पक्षों की

खूनी झड़प का मुख्य अभियुक्त था। गोलीबारी की दूसरी घटना रजौन थाना क्षेत्र के बामदेव झिटका की है। यहां दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश और पैसे के लेनदेन को लेकर खूनी झड़प हुई। यहां मारपीट और अंधाधुंध गोलीबारी के बाद एक घर फूंक दिया गया। घटना में रामधारी पासवान को जहां पैर में गोली लगी है वहीं घर की दो महिलाओं समेत पांच लोग जख्मी हैं। बौंसी के थानाध्यक्ष राजेश यादव ने हत्या की घटना की पुष्टि करते हुए मामले की छानबीन करने की बात कही। रजौन के इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने भी झिटका की घटना की पुष्टि करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी जारी होने की बात कह रहे हैं।

मास्क की जगह गमछा लपेटने पर युवक की पिटाई

विरोध करने पर पुलिस ने थाने ले जाकर भी मारा

क्रांति समय सुरत

नालंदा(एजेसी)। बिहार के नालंदा जिले के हरनौत में पुलिस ने एक युवक को सिर्फ इसलिए बेरहमी से पीटा कि वह चेहरे पर मास्क लगाने की जह गमछा लपेटे हुए था। पीड़ित युवक हरनौत प्रखंड प्रमुख का देवर है। प्रखंड प्रमुख कोरोना पॉजिटिव होने की वजह से होम–क्वारंटाइन है। पीड़ित ने बताया कि भाभी के लिए दवा लाने के लिए बाजार जाते समय जल्दबाजी में मास्क छूट गया था, लेकिन हम चेहरे पर गमछा लपेटे हुए थे। बाजार में चैकिंग कर रहे दारोगा ने कहा कि गमछा नहीं, बल्कि मास्क लगाकर चलो, तो हमने कहा ठीक है सर गलती हो गई। उसके बाद भी पुलिस ने चालान काट दिया, हमने 500 का नोट दिया तो पुलिस ने ले लिया, लेकिन 450 रुपए नहीं लौटाए। विरोध किया तो हरनौत

थाना में पदस्थ ट्रेनी दारोगा समेत दो अन्य दारोगा ने उसे बर्बर तरीके से पीटा। यही नहीं उसकी बाइक को थाना ले आया गया और वहां भी उसकी जमकर पिटाई की गई।

घटना के बाद प्रखंड प्रमुख ने एसपी से मामले की शिकायत की, तब एएसपी अजय कुमार हरनौत पहुंचे और पूरे मामले की जांच की। इस दौरान पीड़ित ने अपनी शर्ट उतारकर एसपी को दिखाया। वारदात के बारे में बताते–बताते वह एएसपी के सामने रो पड़ा। एएसपी अजय कुमार ने बताया कि पूरी घटना की जांच के बाद दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

पटना के एनएमसीएच में चरम पर हैं कुव्यवस्थाएं, कोई देखने वाला नहीं

लाशों के साथ रहना मरीजों की मजबूरी, कोरोना वार्ड में नहीं है बिजली

क्रांति समय सुरत

पटना(एजेसी)। इस कोरोना कल में भी पटना स्थित एनएमसीएच में कुव्यवस्थाएं चरम पर हैं। हॉस्पिटल में जहां–तहां डेड बॉडी पड़ी रहती हैं, कोई उकी सुध नहीं लेता। लाशों के साथ रहना मरीजों की मजबूरी बन चुकी है।

अस्पताल के कोरोना वार्ड में बिजली नहीं है, जिससे मरीजों को ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है।

मरीजों के परिजन अस्पताल कर्मियों से गुहार लगाते रहते हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं।

मीडिया खबरों के मुताबिक एनएमसीएच रविवार को इमरजेंसी वार्ड में कई कोरोना मरीजों के शव पड़े हुए थे। अस्पताल की बदहाली दिखाते वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक कोरोना मरीज अपने बेड से नीचे गिर कर मरा गया है,

बगल में स्ट्रेचर पर एक डेड बॉडी रखी हुई है और उसी वार्ड में कई कोरोना मरीज अपना इलाज करा रहे हैं। एक कोरोना मरीज अस्पताल के कॉरिडोर के बीचोबीच पड़ा है और उसकी कोई सुध नहीं ले रहा है।

यह हाल तब हैं जब दो दिन पहले 23 जुलाई को सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने एनएमसीएच का दौरा किया था और सब कुछ ठीक ठाक होने का दावा भी किया था।

चॉकलेट के लालच में बच्चे नदी तैरकर गैस सिलेंडर को करते पार

कटिहार (एजेसी)। कटिहार के हसनगंज प्रखंड के बाढ़ ग्रस्त इलाके में लोग नाव का किराया बचाने के लिए बच्चों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। लोग गैस के सिलेंडर को चॉकलेट की लालच देकर बच्चों से उफनाती नदी पार करवा रहे हैं। दरअसल, हसनगंज और कोढ़ा प्रखंड को नदी से जोड़ने वाले चापी नया टोला के लोग भासना नदी को पार करने के लिए बीस रुपए का किराया नाव वालों को देते हैं, लेकिन बगल में ही गैस गोदाम से गैस सिलेंडर ले जाने के लिए नाव वाले

को दोगुना किराया देना पड़ता है। इस कारण ग्रामीणों ने इसका तोड़ निकालते हुए नदी में खेलते बच्चों के सहारे ही गैस सिलेंडर को पार करवाने लेते हैं। गैस सिलेंडर को नदी पार करवाने वाले बच्चे अरबाज और अशफाक कहते हैं कि वो लोग सिलेंडर के साथ तैरकर नदी पार करवाने के लिए कोई शर्तिया पैसों की मांग तो नहीं करते हैं, लेकिन

प्रति सिलेंडर लोग उन्हें दो से तीन चॉकलेट दे ही देते हैं। इस बारे में ग्रामीण प्रतिनिधि मनोज मंडल ने कहा कि समस्या चाहे जितनी भी हो इस तरह की हरकतों से हर परिजन और ग्रामीणों को बचना चाहिए क्योंकि नदी में इस तरफ से बच्चों के सहारे गैस सिलेंडर पार करवाना खतरे को दावत देना है और कभी भी इस इलाके में इससे जुड़ा बड़ा हादसा हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)